दैनिक पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः4 : अंकः5 | ग्वालियर, शुक्रवार 20, सितंबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

सपा विधायक से सही नहीं गई बेटे की गिरफ्तारी!

भदोहीः नौकरानी को सुसाइड के लिए उकसाने, बच्चों की तस्करी मामले में वांछित सपा विधायक जाहिद बेग ने आज जिला कोर्ट में सरेंडर कर दिया। ज्ञानपुर स्थित सीजेएम कोर्ट साबिया खातून की अदालत में विधायक को पेश किया गया। वह करीब एक घंटे तक कोर्ट में मौजूद रहे। इसके बाद न्यायालय के आदेश पर उन्हें जिला कारागार ज्ञानपुर भेज दिया गया। इससे पहले पुलिस ने विधायक के बेटे जईम को बुधवार को ही गिरफ्तार किया था। विधायक जाहिद बेग ने कोर्ट से बाहर निकलते ही कहा कि मुझे न्यायालय पर भरोसा है। सपा विधायक ने आरोप लगाया कि मुझे खींचा गया, मेरे साथ बदसलूकी की गई। मेरे साथ दुर्व्यवहार किया गया। मैं न गुंडा हूं, न बदमाश हूं, मेरे साथ ऐसा क्यों किया जा रहा है, मुझे पता नही हैं। आरोप है कि सरेंडर करने के दौरान के बार कॉउंसिल गेट पर पुलिस विधायक जाहिद बेग को खींच रही थी। इसी दौरान वह दो बार गिर प? और उनका चप्पल में वहां छूट गया। वह कोर्ट रूम से जब बाहर निकले, तो नंगे पांव ही थे। वहीं आत्मसमर्पण के बाद विधायक समर्थकों की कोर्ट परिसर में भारी भीड़ जमा हो गई। विधायक पक्ष के वकील तेज बहादुर यादव ने पुलिस प्रशासन पर गंभीर रूप लगाए हैं और कार्यशैली पर सवाल खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट गेट पर सरेंडर के दौरान पुलिस खींचतान कर रही थी। विधायक की बायपास सर्जरी हुई है, बताने के बाद भी वे नहीं मान रहे थे। न्यायालय एवं वकीलों के कैम्पस में पहुंचने के बाद इस तरह से किया जाना न्यायसंगत नहीं है। इस तरह से अगर किया जाएगा, तब तो कोर्ट में सरेंडर प्रक्रिया ही बंद हो जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बार कॉउंसिल ऑफ इंडिया, मानवाधिकार आयोग, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया एवं उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से वह पूरे प्रकरण की शिकायत करेंगे। अधिवक्ता तेज बहादुर यादव ने यह भी आरोप लगाया कि जिस वक्त पूरा घटनाक्रम चल रहा था, मौके पर पुलिस के उच्च अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी ज्ञानपुर भी मौजूद थे। बता दें कि सितंबर को सपा विधायक जाहिद बेग के शहर मालिकाना स्थित आवास पर नाबालिग नौकरानी ने आत्महत्या कर ली थी। एक और नाबालिग सहायिका को आवास से प्रशासन ने दूसरे दिन विधायक के घर छापेमारी कर मुक्त कराया था। पुलिस ने नौकरानी के सुसाइड मामले में विधायक जाहिद बेग और उनकी पत्नी पर आत्महत्या के लिए उकसाने एवं एक से अधिक बच्चों की तस्करी एवं बंधक बनाकर बाल श्रम कराने के मामले में एफआईआर दर्ज किया था। वहीं सुसाइड के लिए प्ररित करने के मामले में बेटे की संलिप्तता भी सामने आने पर पुलिस से उसे बुधवार को गिरफ्तार कर कोर्ट के आदेश पर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया था। पुलिस आरोपी विधायक एवं पत्नी की तलाश में जुटी थी।

जबलपुर में तेज रफ्तार हाइवा ऑटो पर पलटा, 7 लोगों की मौत, 10 की हालत गंभीर, हाइवे पर लगा भीषण जाम

जबलपुरः मध्य प्रदेश के जबलपुर में बड़ा सड़क हादसा हो गया है। सिहोरा के मझगवां थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार हाइवा मजदूरों से भरे ऑटो पर पलट गया। इसकी वजह से सात मजदूरों की मौत हो गई जबकि दस अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बताया जा रहा है कि मजदूरों को लेकर ऑटो चालक गांव जाने के लिए निकला। जब वह चरगवां रोड से आगे बढ़ रहा था तो इस दौरान सामने से आया हाइवा अनियंत्रित होकर ऑटो पर पलट गया। ऑटो पर हाइवा के पलटने से मजदूर आटो सहित हाइवा के नीचे दब गए। हादसे में 7 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 10 मजदूरों के शरीर पर गंभीर चोटें आई है। हादसे के बाद आस-पास के लोग और ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो घायल सड़क किनारे रोते-बिलखते दिखे। खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए, जिन्होंने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। जहां पर घायलों की हालत अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, सिहोरा -मझगवां रोड पर हुए भीषण एक्सीडेंट में एक बच्चे समेत सात लोगों की मौत हुई है जबकि 10 अन्य लोगों की हालत नाजुक है। हादसे से नाराज ग्रामीण शव को लेकर हाइवे पर बैठ गए हैं। इसकी वजह से स्टेट हाइवे पर भीषण जाम लग गया है। लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

ताजमहल के गुंबद पर पेड़ उगने का मामला पकड़ा तूल

आगराः ताजमहल की दीवारों पर पेड़ उगने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। ताजमहल की मुख्य गुंबद पर पेड़ उगाने से इस ऐतिहासिक इमारत के संरक्षण और रखरखाव को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। यह लापरवाही न केवल ताजमहल की सौंदर्यात्मक महत्ता को खतरे में डाल रही है, बल्कि संरक्षण और रखरखाव के प्रति विभाग की लापरवाही को भी उजागर कर रही हैं। गुंबद पर पेड़ उगने से न केवल स्मारक की संरचना पर असर पड़ सकता है, बल्कि इससे ताजमहल की सौंदर्यता भी प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं नियमित निगरानी और उचित रखरखाव की कमी को दर्शाती हैं। विशेषज्ञों और इतिहासकारों ने भी भारतीय पुरातत्व विभाग की आलोचना की है और इसे ताजमहल जैसे ऐतिहासिक स्मारक के लिए एक गंभीर खतरा बताया है। उनका कहना है कि ताजमहल का उचित संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए नियमित निरीक्षण और सुधारात्मक उपाय जरूरी हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि पुरातत्व विभाग को ताजमहल के संरक्षण के लिए विशेष ध्यान और संसाधन उपलब्ध कराने चाहिये। भारतीय पुरातत्व विभाग के अधीक्षक राजकुमार पटेल ने इस संबंध में कहा कि सभी स्मारकों में पेड़ उगने की घटना देखने को मिलती हैं। जरुरी होता है कि जब पत्तियां निकलने लगे तो उसे निकाल लिया जाए। अगर पौधे बढ़ेंगे तो उनकी जड़े दीवार के अंदर तक जाएंगी इससे नुकसान हो सकता है। इसलिए हम 8-10 में उन्हें निकालते रहते हैं। गुंबद पर पेड़ के उगने की जानकारी मिलने के बाद जब ताजमहल के रखरखाव से जुड़े अधिकारियों से प्रतिक्रिया मांगी गई, तो उनका जवाब असंतोषजनक था। उनका कहना था कि वे इस मुद्दे की जांच कर रहे हैं और जल्द ही समाधान निकाला जाएगा लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। विपक्ष भी सरकार को इस मुद्दे पर घेर रहा है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने भी अपने एक हैंडल पर तक की देखभाल को लेकर कई सवाल खड़े किए हैं। सपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने ट्वीट कर कहा किल विश्व भर के पर्यटकों को आकर्षित करने वाले अजूबे 'ताजमहल' के रख-रखाव को लेकर भाजपा सरकार पूरी तरह से नाकाम हैं। इससे मुख्य गुंबद पर लगे कलश की धातु में ज़ंग लगने की आशंका है। मुख्य गुंबद से पानी टपक रहा है। गुंबद में पेड़ उग आने का समाचार सुर्खियों में है। इन जैसे पेड़ों की जड़े अगर विकसित हुई तो ताजमहल में दरारें आ सकती हैं। ताजमहल का परिसर बंदरों के लिए अभयारण्य बन गया है। ताजमहल परिसर में जलभराव की समस्या है। पर्यटकों की परेशानी ये है कि वो ताजमहल निहारें या समस्याओं से निपटें। सवाल ये है कि ताजमहल के रख-रखाव के लिए जो करोड़ों का फ़ंड आता है, वो कहां जाता है।

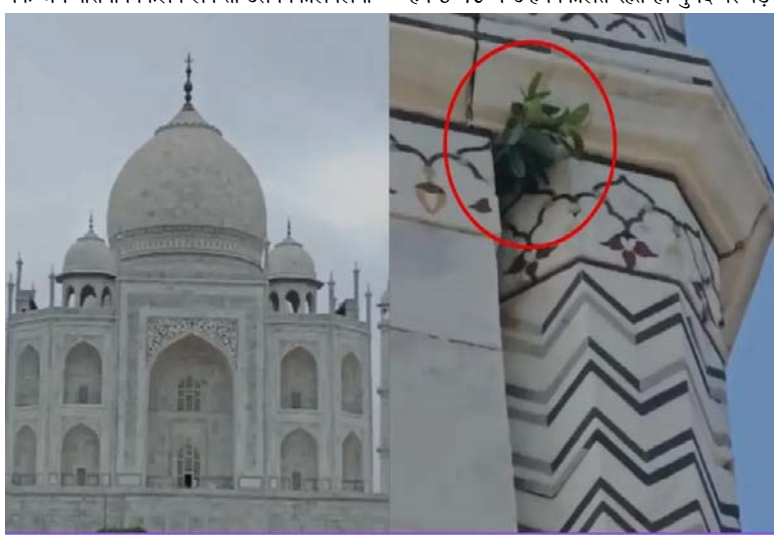

इमरान खान को लगा बड़ा झटका, पुलिस ने लाहौर में नेताओं को गिरफ्तार किया

पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी की तरफ से कहा गया है कि पंजाब पुलिस ने संगठन के कई नोताओं को गिरफ्तार कर लिया है। पीटीआई नेताओं के खिलाफ यह कार्रवाई लाहौर में होने वाले प्रस्तावित शक्ति प्रदर्शन से पहले की गई है। लाहौरः पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि पंजाब पुलिस ने उसके संगठन के नोताओं पर कार्रवाई शुरू कर दी है। पीटीआई की तरफ से कहा गया है कि शनिवार को लाहौर में होने वाले उसके प्रस्तावित शक्ति प्रदर्शन से पहले पार्टी के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस की तरफ से की गई यह कार्रवाई इमरान खान के लिए बड़ा झटका मानी जा रही है। इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेता अली एजाज बुट्टर ने कहा कि पुलिस ने 'पीटीआई' के नेताओं अली इम्तियाज वराइच, अफजल फात और कई अन्य पार्टी कार्यकर्ताओं को शनिवार (21 सितंबर) को लाहौर के मीनार-ए-पाकिस्तान के मैदान में होने वाले पार्टी के शक्ति प्रदर्शन से पहले गिरफ्तार कर लिया है। बुट्टर ने कहा कि पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सरकार की ''फासीवादी नीति'' के बावजूद 'पीटीआई' लाहौर में एक ऐतिहासिक रैली आयोजित करेगी। 'पीटीआई' संस्थापक इमरान खान ने जनता से अपने घरों से बाहर निकलने और 21 सितंबर की रैली में भाग लेने को कहा है। 'पीटीआई' नेता सनम जावेद ने कहा, ''पंजाब, खासकर लाहौर के लोगों के लिए यह इमरान खान का समर्थन करने का एक शानदार मौका है। पीटीआई' ने लाहौर हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर कोर्ट से अनुरोध किया कि वह राज्य सरकार को शनिवार की रैली से पहले उसके नेताओं और कार्यकर्ताओं को परेशान ना करने और गिरफ्तार नहीं किए जाने का आदेश दे। याचिकाकर्ता की दलील है कि रैली करना किसी भी राजनीतिक दल का संवैधानिक और कानूनी अधिकार है और 'पीटीआई' को इस अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। दूसरी ओर, पीएमएल-एन के एक कार्यकर्ता ने भी लाहौर हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की है जिसमें अनुरोध किया गया है कि 'पीटीआई' को पंजाब में रैली करने की इजाजत ना दी जाए।

गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से पटना में बंद किए गए 76 सरकारी स्कूल

बिहार की राजधानी पटना में कई जगहों पर गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर जाने के कारण जिला प्रशासन ने ग्रामीण इलाकों में 76 सरकारी विद्यालयों को 21 सितंबर तक बंद करने का आदेश दिया गया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने के मद्देनजर पटना जिले के आठ प्रखंडो में कुल 76 सरकारी स्कूल 21 सितंबर तक बंद रहेंगे। गंगा नदी का जलस्तर कुछ जगहों पर खतरे के निशान को पार कर गया है। जिले के ग्रामीण इलाकों में विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा के लिए यह फैसला लिया गया है। बिहार सरकार ने हाल ही में जिलाधिकारियों को अपने अधिकार क्षेत्र में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न होने पर विद्यालयों को बंद करने के बारे में निर्णय लेने के लिए अधिकृत किया है। जिला प्रशासन द्वारा बुधवार को जारी एक बयान के अनुसार, ÷गंगा नदी पटना के गांधी घाट पर खतरे के निशान 48.60 मीटर (बुधवार सुबह 6 बजे तक) से ऊपर बह रही थी।

ताजमहल के गुंबद पर पेड़ उगने का मामला पकड़ा तूल, अखिलेश यादव ने सरकार पर खड़े किए कई सवाल

आगराः ताजमहल की दीवारों पर पेड़ उगने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। ताजमहल की मुख्य गुंबद पर पेड़ उगाने से इस ऐतिहासिक इमारत के संरक्षण और रखरखाव को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

यह लापरवाही न केवल ताजमहल की सौंदर्यात्मक महत्ता को खतरे में डाल रही है, बल्कि संरक्षण और रखरखाव के प्रति विभाग की लापरवाही को भी उजागर कर रही हैं। गुंबद पर पेड़ उगने से न केवल स्मारक की संरचना पर असर पड़ सकता है, बल्कि इससे ताजमहल की सौंदर्यता भी प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं नियमित निगरानी और उचित रखरखाव की कमी को दर्शाती हैं। विशेषज्ञों और इतिहासकारों ने भी भारतीय पुरातत्व विभाग की आलोचना की है और इसे ताजमहल जैसे ऐतिहासिक स्मारक के लिए एक गंभीर खतरा बताया है। उनका कहना है कि ताजमहल का उचित संरक्षण सुनिश्चित करने के लिए नियमित निरीक्षण और सुधारात्मक उपाय जरूरी हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि पुरातत्व विभाग को ताजमहल के संरक्षण के लिए विशेष ध्यान और संसाधन उपलब्ध कराने चाहिये। भारतीय पुरातत्व विभाग के अधीक्षक राजकुमार पटेल ने इस संबंध में कहा कि सभी स्मारकों में पेड़ उगने की घटना देखने को मिलती हैं। जरुरी होता है कि जब पत्तियां निकलने लगे तो उसे निकाल लिया जाए। अगर पौधे बढ़ेंगे तो उनकी जड़े दीवार के अंदर तक जाएंगी इससे नुकसान हो सकता है। इसलिए हम 8-10 में उन्हें निकालते रहते हैं। गुंबद पर पेड़ के उगने की जानकारी मिलने के बाद जब ताजमहल के रखरखाव से जुड़े अधिकारियों से प्रतिक्रिया मांगी गई, तो उनका जवाब असंतोषजनक था। उनका कहना था कि वे इस मुद्दे की जांच कर रहे हैं और जल्द ही समाधान निकाला जाएगा लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। विपक्ष भी सरकार को इस मुद्दे पर घेर रहा है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने भी अपने एक हैंडल पर तक की देखभाल को लेकर कई सवाल खड़े किए हैं। सपा प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने ट्वीट कर कहा किल विश्व भर के पर्यटकों को आकर्षित करने वाले अजूबे 'ताजमहल' के रख-रखाव को लेकर भाजपा सरकार पूरी तरह से नाकाम हैं। इससे मुख्य गुंबद पर लगे कलश की धातु में ज़ंग लगने की आशंका है। मुख्य गुंबद से पानी टपक रहा है। गुंबद में पेड़ उग आने का समाचार सुर्खियों में है। इन जैसे पेड़ों की जड़े अगर विकसित हुई तो ताजमहल में दरारें आ सकती हैं। ताजमहल का परिसर बंदरों के लिए अभयारण्य बन गया है। ताजमहल परिसर में जलभराव की समस्या है। पर्यटकों की परेशानी ये है कि वो ताजमहल निहारें या समस्याओं से निपटें। सवाल ये है कि ताजमहल के रख-रखाव के लिए जो करोड़ों का फ़ंड आता है, वो कहां जाता है।

दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा, नवादा अग्निकांड को चिराग पासवान ने बताया शर्मनाक

बिहार के नवादा की घटना पर लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने मकानों को जलाए जाने की घटना की निंदा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार मामले की जांच कर रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। चिराग ने कहा कि यह दुखद घटना है। यह निंदनीय और शर्मनाक है। मैं राज्य सरकार के साथ संपर्क में हूं। सबसे पहले तो यह सुनिश्चित करना होगा कि पीड़ितों का पुनर्वास हो और घायलों का इलाज हो। नवादा के मांझी टोला में दबंगों ने 70-80 घरों को आग के हवाले कर दिया। आग ने पूरे गांव को अपने चपेट में ले लिया। घटना के एक दिन बाद पुलिस ने अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार किया है। नवादा के जिलाधिकारी (डीएम) आशुतोष कुमार वर्मा ने मुफस्सिल थाना अंतर्गत मांझी टोला में बुधवार शाम को हुई इस घटना के बारे कहा, ÷जिला पुलिस ने घटना के सिलसिले में अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार किया है और अन्य लोगों की तलाश जारी है। मामले की जांच के लिए पुलिस ने एक विशेष जांच दल का गठन किया है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं और वे जल्द ही एक रिपोर्ट प्रस्तुत करके यह बताएंगे कि कितने मकान क्षतिग्रस्त हुए या जल गए और सभी आरोपियों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि वे मांझी टोला में पीड़ितों को भोजन सामग्री और पीने के पानी समेत सभी राहत सामग्री प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीड़ितों के लिए अस्थायी टेंट लगाए गए हैं और उन्हें वहां शिफ्ट किया जा रहा है। डीएम ने इन खबरों का खंडन किया कि घटना के दौरान खंभों से बंधे कुछ मवेशियों की भी जलकर मौत हो गई। उन्होंने कहा कि अभी तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है। घटना के तुरंत बाद नवादा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिनव धीमान ने शाम 7 बजे के आस-पास फोन पर जानकारी मिली थी कि मांझी टोला में कुछ घरों में आग लगा दी गई है। उन्होंने कहा था कि पुलिस तुरंत दमकल की गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंची और आग बुझाने में कुछ समय लगा।

अश्विन ने खुद ही खोल दिया ऐतिहासिक शतक का राज

रविचंद्रन अश्विन ने एक और टेस्ट शतक जड़ दिया है। अपने ही घर पर यानी चेन्नई में खेलते हुए अश्विन ने ये एतिहासिक सेंचुरी लगाई है। वैसे तो भारतीय टीम के लिए पहला दिन कुछ खास नहीं रहा, लेकिन जाते जाते अश्विन और रवींद्र जडेजा की जोड़ी ने थोड़ी सी मुस्कराने की वजह दे दी है। इस बीच जब पहले दिन का खेल खत्म हुआ तो अश्विन ने अपनी सेंचुरी का राज भी खोल दिया। उन्होंने बताया कि वे ये शतक लगाने में कैसे कामयाब हुए। पहले हम आपको बताएंगे कि अश्विन ने कहा क्या है और इसके बाद ये भी कि उन्होंने इस एक शतक के पाकिस्तान के कामरान अकमल को कैसे पीछे धकेल दिया है। रवि अश्विन ने कहा कि घरेलू दर्शकों के सामने खेलना हमेशा एक खास एहसास होता है। यह एक ऐसा मैदान है, जिसमें वे खुद क्रिकेट खेलना काफी पसंद करते हैं, क्योंकि इस मैदान ने उन्हें कई शानदार यादें दी हैं। मजे की बात ये थी कि ये बातें अश्विन से रवि शास्त्री बात कर रहे थे, जो भारतीय टीम के कोच रह चुके हैं। अश्विन ने मुस्कराते हुए कहा कि पिछली बार जब शतक लगाया था, तब आप ही कोच थे। उन्होंने अपने शतक का राज खोलते हुए कहा कि वह हाल ही में टीएनपीएल टी20 टूर्नामेंट के बाद वापस आए हैं। इस दौरान उन्होंने अपनी बल्लेबाजी पर काफी काम किया। अश्विन बोले कि अगर आप गेंद के पीछे जा रहे हैं तो ऋषभ की तरह बहुत जोर से जा सकते हैं। यह चेन्नई की पुरानी पिच है, जिसमें थोड़ा उछाल और कैरी है। भारत और बांग्लादेश के बीच खेले जा रहे इस मुकाबले में लाल मिट्टी की पिच का इस्तेमाल किया गया है। अश्विन ने कहा कि लाल मिट्टी की पिच आपको कुछ शॉट खेलने की अनुमति देती है। रवींद्र जडेजा के साथ मिलकर भारत के लिए ऐतिहासिक साझेदारी करने वाले अश्विन ने कहा कि जडेजा काफी मददगार रहे। एक समय ऐसा था जब उन्हें काफी पसीना आ रहा था और थोड़ा थक गए थे। इस बात को जडेजा ने नोटिस किया और उनकी मदद की। जडेजा की तारीफ करते हुए अश्विन ने कहा कि पिछले कुछ सालों में जडेजा टीम इंडिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक रहे हैं। वह काफी बेहतरीन खिलाड़ी हैं। अभी मैच का पहला ही दिन हुआ है। लेकिन अश्विन से ज्यादा यहां की पिच के बारे में शायद ही कोई जानता हो। ऐसे में जब उनसे दूसरे दिन की पिच को लेकर सवाल किया गया कि तो उन्होंने बताया कि यह पुराने जमाने की चेन्नई की पिच है, जहां ओवरस्पिन से थोड़ी उछाल मिलेगी। विकेट बहुत बाद में अपना असर दिखाना शुरू करेगा। इसमें तेज गेंदबाजों के लिए काफी मदद है। अगर भारतीय टीम के तेज गेंदबाज सीम को अच्छी तरह और सख्त तरीके से पेश करें। नई गेंद से कुछ मदद मिलेगी। पिच में थोड़ी नमी है, यह अभी भी नीचे से नम है, इसलिए उम्मीद है कि जैसे-जैसे यह सूखेगी, यह तेजी से आगे बढ़ेगी। इस बीच ये भी जान लीजिए कि रविचंद्रन अश्विन का ये शतक आखिर ऐतिहासिक क्यों है। खास बात ये है कि एमएस धोनी ने भी टेस्ट क्रिकेट में कुल 6 शतक ही लगाए हैं, अजब उन्हीं की बराबरी पर रवि अश्विन भी पहुंच गए हैं। रविचंद्रन अजब टेस्ट में नंबर आठ और उसके बाद बल्लेबाजी करने आने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। इस मामले में पहले नंबर पर न्यूजीलैंड के कप्तान रहे डेनियल विटोरी हैं। उन्होंने नंबर आठ या फिर उसके बाद आकर कुल 5 सेंचुरी लगाई हैं, वहीं अश्विन अब दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के कामरान अकमल ने ये काम तीन बार किया है, वहीं वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर भी ये कमाल तीन बार कर चुके हैं। अब एक और शतक लगाकर अश्विन संयुक्त रूप से पहले नंबर पर पहुंचने की स्थिति में हैं। हालांकि फिलहाल तो यही देखना होगा? कि अभी 102 रन पर नाबाद खेल रहे अश्विन इस मैच में कितने और रन जोड़ने में कामयाब होते हैं।

स्वच्छता ही सेवा अभियान में रासेयो स्वयंसेवकों ने किया श्रमदान

अंबाह - युवा कार्यक्रम खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निर्देशित स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत अंबाह पी.जी. कॉलेज अंबाह की रासेयो इकाइयों ने ÷स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता÷ थीम पर 19 सितंबर को स्वच्छता का एक मेगा इवेंट आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विशाल रैली का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने जन-जन में स्वच्छता का संदेश फैलाया।महाविद्यालय परिसर, लोक निर्माण विभाग परिसर और शहीद पार्क में सफाई की गई, जिसमें 100 से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया।जिला संगठक डॉ. शशि बल्लभ शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा ÷स्वच्छता सिर्फ एक अभियान नहीं, बल्कि हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखें। स्वच्छता ही सेवा का यह अभियान हमें न केवल जागरूकता प्रदान करता है, बल्कि यह हमारे संस्कारों का भी प्रतीक है। हमें चाहिए कि हम इस संदेश को आगे बढ़ाएं और अपने समाज में स्वच्छता का महत्व समझाएं।÷कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. विश्वास मेढेकर के संरक्षण में, रासेयो जिला संगठक डॉ. शशि बल्लभ शर्मा के नेतृत्व में और कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. रक्षा कम्थान एवं डॉ. पूर्णिमा अग्रवाल के निर्देशन में किया गया।स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए आगामी कार्यक्रम 2 अक्टूबर 2024 तक आयोजित किए जाएंगे।

दबोह मंडल भाजपा की टीम उतरी सदस्यता अभियान के मैदान में

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह-भारतीय जनता पार्टी के द्वारा सदस्यता महा अभियान पूरे प्रदेश में जोरशोर से चलाया जा रहा है।इसके तहत दबोह मंडल भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओ की टीम मैदान में उतर कर नए सदस्य बनाने की मुहिम शुरू कर कर दी है।गुरुवार को नगर के साथ साथ शक्ति केंद्रों पर भी कार्यकर्ताओ की टोली ने घर घर जा कर नए सदस्य बनाये।जिसमे नगर दबोह के बार्ड न 06,07 बार्ड 15 के साथ साथ ग्रामीण अंचलों में मुरावली,बीसनपुरा में नए सदस्य जोड़े गए।बता दे कि भाजपा का सदस्यता अभियान एक सितंबर से प्रारंभ हो गया है लेकिन दबोह मंडल के सदस्यता प्रभारियों को दो सप्ताह बाद सदस्य बनाने की याद आई है। विचारणीय बात यह है कि बुधवार को लहार विधायक अंबरीश शर्मा गुड्डू भैया ने लहार में सभी मंडलों के प्रभारियों की एक बैठक ली थी। उसके पश्चात ही भाजपा नेता और कार्यकर्ता मैदान में उतरे।दबोह के बार्ड न 06,07 में अंजनी कुरचानिया, शिवकुमार गोस्वामी,शरद खेमरिया,बार्ड 15 में अमन कुरचानिया,शोभित कुरचानिया तथा मुरावली में केशव गुप्ता,मण्डल महामंत्री राव सहाब गुर्जर ने सदस्यता अभियान चलाया।

खरगोन के मंडलेश्वर थाना क्षेत्र में स्कूल बस से उतर कर रास्ता भटका 04 वर्षीय बालक

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

मंडलेश्वर थाना क्षेत्र में डायल-100 जवानों ने माँ से मिलाया

दिनांक 19.09.24 को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-100 भोपाल सूचना प्राप्त हुई कि, जिला खरगोन के थाना मंडलेश्वर क्षेत्र के अंबेडकर तिराहे के पास बड़वाह रोड़ पर एक 04 साल का बालक मिला है, जो अपने घर का रास्ता भटक गया है, पुलिस सहायता की आवश्यकता हैं। सूचना प्राप्त होने पर तत्काल मंडलेश्वर थाना क्षेत्र में तैनात डायल-100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112/100 स्टाफ सउनि नाहर सिंह तथा पायलेट दीपक योगी ने मौके पर पहुँचकर बालक को अपने संरक्षण में लेकर आसपास के क्षेत्र में बालक के परिजन की तलाश की। परिजन के मिल जाने पर सत्यापन उपरांत डायल-112/100 स्टाफ द्वारा बालक को श्री नगर कॉलोनी में माँ के सुपुर्द किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बालक स्कूल बस से उतर कर घर न जाकर रास्ता भटक गया था। बालक के परिजनों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया ।

ईव्हीएम वेयर हाउस का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के परिप्रेक्ष्य में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कर्मवीर शर्मा ने 19 सितंबर को राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में ईव्हीएम-व्हीव्हीपेट वेयर हाउस का त्रेमासिक निरीक्षण किया। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती हेमलता सोलंकी एवं निर्वाचन पर्यवेक्षक श्री किराड़े भी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान वेयर हाउस में रखी गई ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपेट मशीनों की सुरक्षा एवं रख रखाव को देखा गया। इस दौरान भाजपा के श्री मोहन राठौर एवं सीपीएम के श्री वासुदेव विषनौले उपस्थित थे।

गोगांवा में पेयजल स्त्रोतों का किया गया क्लोरिनेशन

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

स्वास्थ्य केन्द्र एवं आंगनवाड़ी केन्द्र में चलाया विशेष सफाई अभियानकलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा के मार्गदर्शन में जिले के ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत स्वच्छता से जुड़ी विविध गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है और आमजन को इस अभियान में सहभागी बनकर स्वच्छता का संदेश देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत 19 सितंबर को ग्राम पंचायत गोगावां के समस्त पेयजल स्त्रोतों के क्लोरिनेशन का कार्य ग्राम पंचायत एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सहयोग से किया गया। इस दौरान ग्रामीणों को संदेश दिया गया कि पेयजल स्त्रोतों के आसपास स्वच्छता बनाएं रखे और उनमें गंदगी न जाने दें। स्वच्छ पेयजल से ही हम स्वस्थ्य रह सकते हैं। इस अभियान के अंतर्गत गोगावां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्र आंगनवाड़ी केन्द्र एवं पंचायत कार्यालय में सफाई के लिए विशेष अभियान चलाया गया।

पत्रकारों का रोको खून, जल्द बनाओ पत्रकार सुरक्षा कानून के नारे के साथ पत्रकार सलमान खान की हत्या के विरोध में ज्ञापन दिया

अंबाह- मध्यप्रदेश के राजगढ में टी वी चैनल और हिन्दी दैनिक के पत्रकार, सलमान अली को बाइक सवार अपराधियों ने 9 बर्षीय पुत्र के समक्ष गोलियों से भून डाला।सनद रहे कि 9 फरवरी को भी कुछ अपराधियों ने छुरा और तलवार के साथ उनके समाचार दफ्तर में घुसकर इनपर जानलेवा हमला किया था। जिसके बाद काफी समय तक इलाज में रहने के बाद ये स्वस्थ्य हुए थे। इसके बाबजूद भी पुलिस प्रशासन के लापरवाही के कारण उनकी मौत हो गई।स्थानीय पत्रकारों ने इस वारदात की तीखी भर्त्सना करते हुए मध्यप्रदेश सरकार से अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी और मृत पत्रकार के परिवार को बीस लाख रुपये मुआबजा और आश्रित को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। पत्रकारों ने पत्रकारों का रोको खून, जल्द बनाओं, पत्रकार सुरक्षा कानून का भी नारा दिया घटना के विरोध में गुरुवार को अंबाह में पत्रकारों के द्वारा प्रदेश के राज्यपाल के नाम एसडीएम को 4 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। जिसमें पत्रकारों के द्वारा मृतक पत्रकार सलमान खान के हत्यारों को शीध्र पक?ने,परिजनों को 20 लाख की सहायता राशि देने सहित एक परिवारीजन को शासकीय नौकरी दिए जानें की मांग के साथ साथ अन्य दो मांगे भी पत्रकारों के हित मे शीध्र पूरी करने की बात कही गई इस दौरान पत्रकार राजवीर शर्मा, अजय जैन, वीरेंद्र सिंह परिहार, मीनू खान, मलखान सिंह परमार, लालमन तोमर, आशीष शर्मा, सतेंद्र राजावत, भीमसेन तोमर, महेंद्र सखवार, मोनू तोमर, योगेंद्र सिंह तोमर सहित अन्य पत्रकार साथी मौजूद रहे।

दबोह में बाढ़ जैसे हालात देख लहार विधायक सख्त,बोले जल्द करो समस्या का निदान

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- दबोह नगर में कुछ घण्टो की बारिश में नगर परिषद की पोल खोल दी और बुधवार को नगर में वर्षो पहले बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए।जिसे देख लहार विधायक अम्बरीश शर्मा(गुड्डू)सीएमओ दबोह प्रमोद बरुआ को जल्द से जल्द समस्या का निदान करने की बात कही।दरअसल लहार विधायक अम्बरीश शर्मा(गुड्डू)लहार से आलमपुर एक कार्यक्रम में दबोह होते जा रहे थे,परंतु दबोह मुख्य मार्ग पर पानी की स्तिथि देख वह नाराज हुए और मौके पर सीएमओ दबोह को बुलाकर हुए जलभराव की समस्या से जल्द निपटने की बात कही।उन्होंने कहा कि आज नगर में जो हालात है वह अच्छे नही है आमजनता बारिश की वजह से काफी परेशान व डरी हुई है क्यों को बीते रोज हुई बारिश में भी कई लोगो का नुकसान हो गया था इसलिए जल्द ही इस समस्या

को दूर कीजिये।बारिश बंद होने के बाद भी नगर में बढ़ता रहे जलस्तर पर जिम्मेदारो ने नही दिया ध्यानज्ञात रहे कि बुधवार को हुई बारिश के बाद दबोह ने बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए और कई दुकानों मकानों में जलभराव से काफी नुकसान हो गया।नगर में बारिश बंद होने के बाद लगातार मुख्य मार्ग पर जलस्तर ब?ता रहा पर जिम्मेदार हाथ पर हाथ धरे बैठे रहे।और देखते ही देखते भिण्ड भांडेर रोड पर पानी का स्तर इतना बढ़ गया कि

लोगो की कमर तक डूबने लगी परन्तु फिर भी रात से पहले नगर परिषद ने कोई भी सफाई की योजना नही बनाई जिससे इन हालातो से बाहर निकला जा सके।सूत्रों की माने तो उसके बाद रात में नायाब तहसीलदार रमाशंकर शर्मा ने नगर में जलभराव की स्थिति का जायजा लिया और तत्काल सीएमओ प्रमोद बरुआ को कॉल कर सफाई करने की बात कही।तब जाकर नगर परिषद के कर्मचारियों ने आकर मोर्चा संभाला और नगर के मुख्य नालों की सफाई जेसीबी के द्वारा कराई गई,जिसकी वजह से मुख्य मार्ग पर सुबह हालात सामान्य हुए।और सफाई होने के समय ही लहार विधायक का काफिला निकला जिसे देख उन्होंने सीएमओ दबोह से जल्द पानी की निकासी कराने की बाद कही।जिम्मेदार अगर समझते जिम्मेदारी तो शायद न बनते बाढ़ जैसे हालातकुछ ही दिनों में 2 बार ऐसी झमाझम बारिश हुई कि जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया और लोगो का काफी नुकसान हो गया।पर अगर जिम्मेदार अधिकारी महोदय अगर अपनी जिम्मेदारी समझते तो शायद आज यह हालत पैदा न होते।सूत्र बताते हैं कि नगर परिषद ने नगर में बड़ नाले और नालियों की सफाई में सिर्फ औपचारिकता की है क्यों कि अगर बड़े नाले नालियों की सफाई सुचारू रूप से होती रहती तो शायद नगर के हर गली मोहल्ले में बाढ़ जैसे हालात पैदा न होते।

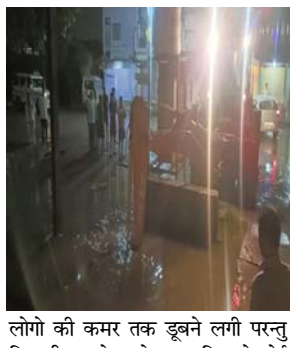

जलभराव से हुए हादसे में मौत पर ऊर्जा मंत्री ने पीड़ित परिवार को सांत्वना दी

मृतक के परिजनों को चार लाख की सहायता दी

महेंद्र शर्मा
उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर, ग्वालियर उप नगर में अति वर्षा के कारण बहोड़ापुर स्थित इन्दिरा नगर में पानी में डूबने से 60 वर्षीय श्री सीताराम साहू की असामायिक मौत पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने गहन शोक व्यक्त किया है। उन्होंने बुधवार को घटना की जानकारी मिलते ही पीडित परिवार के बीच पहुंचकर परिजनों को दुःख की इस घड़ी में साथ खड़े रहने का भरोसा जताते हुए सांत्वना दी।उल्लेखनीय है कि उप नगर ग्वालियर के बहोड़ापुर क्षेत्र में अति वर्षा के कारण उत्पन्न हुई जलभराव की स्थिति में नाले के समीप हादसे से इन्दिरा नगर निवासी 60 वर्षीय श्री सीताराम साहू की मृत्य हो गई थी। इस दुःखद घटना की जानकारी मिलने पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर तत्काल मौके पर पहुँचे और शोक संतृप्त परिवार को ढांढस बंधाया। साथ ही मृतकों के परिजनों को राज्य शासन के राजस्व पुस्तक परिपत्र के प्रावधानों के तहत चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश जिला प्रशासन को दिए।

शासन को क्षति पहुंचाने का काम कर रहे हैं मौ जेई - मानसिंह कुशवाहा

ब्लॉक कांग्रेस 21 को जेई के खिलाफ मौ तहसीलदार को ज्ञापन सौपेंगी प्रशासन से जनहित में न्याय नहीं मिला तो कांग्रेस पार्टी न्यायालय की शरण में जाएगी

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कांग्रेस कमेटी जिलाध्यक्ष मानसिंह कुशवाहा ने मौ में पदस्थ जेई लोकेंद्र राणा के वायरल हो रहे ऑडियो पर निंदा व्यक्त करते हुए कहा कि भिंड जिले का कितना दुर्भाग्य है,कि गोहद विधानसभा के मौ तहसील में पदस्थ जेई लोकेंद्र राणा बिजली विभाग के एक जिम्मेदार अधिकारी है,जो अपने रसूख का जलवा सी ऑफिस ग्वालियर तक होने की बात वायरल ऑडियो में कह रहे है । मौ में पदस्थ जेई एक वायरल ऑडियो में अपने अधीनस्थ कर्मचारी को ट्रांसफार्मर में लगने वाली सी टी फुल फॉर्म करंट ट्रांसफॉर्मर जिसकी

कीमत अनुमानित 20 से 22 हजार होती है,जिसको वह अपने रसूख के चलते अपने पद का दुरुपयोग कर शासकीय संपत्ति को क्षति पहुंचाने के लिए अपने अधीनस्थों को करंट ट्रांसफॉर्मर तोड़ने के लिए निर्देशित कर रहे हैं, जो गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है,मौ बिजली विभाग में पदस्थ सहायक प्रबंधक लोकेंद्र राणा के वायरल ऑडियो की खबर चैनलों एवं समाचार पत्रों में भी प्रकाशित हुई हैं,उसके बाद भी प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है । श्री कुशवाहा ने कहा संबंधित अधिकारी को वहां से ना हटाना और ना ही कोई कार्रवाई करना एवं एफआईआर तक नहीं करना इससे स्पष्ट होता है,कि यह सब सत्ता के संरक्षण के चलते हो रहा है।

श्री कुशवाहा ने इस मामले को लेकर कहा कि कांग्रेस पार्टी मौ ब्लॉक कांग्रेस के नेतृत्व में 21 सितंबर 2024 को मौ तहसीलदार को ज्ञापन सौपेंगी तथा दोषी अधिकारी के विरुद्ध शासकीय संपत्ति को क्षति पहुंचाने के कारण संबंधित थाने में आवेदन देकर प्रकरण दर्ज भी कराएंगे।

श्री कुशवाहा ने कहा कि अगर उचित न्याय नहीं मिला तो न्यायालय की शरण में भी जाने से पीछे नहीं हटेंगे, कांग्रेसी कार्यकर्ता जनता के हित के लिए लड़ेंगे और जीतेंगे भी ।

भाजपा का सदस्य बनकर राष्ट्र निर्माण में बनें भागीदार - पूर्व मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार चलाए जा रहे संगठन विस्तार हेतु वर्ष 2024 संगठन पर्व सदस्यता अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी जिला भिण्ड के अटेर विधानसभा के चारों मंडल की बैठक आयोजित की जा रही है जिसमें अटेर विधानसभा के पूर्व केबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया ने वर्चुअल बैठक को संबोधित किया। अटेर क्षेत्र में चल रहे सदस्यता अभियान को सफल बनाने हेतु चर्चा की। वर्चुअल बैठक में संगठन पर्व सदस्यता अभियान 2024 चारों मंडल की टोली के पदाधिकारी शामिल थे।मध्य प्रदेश सरकार के पूर्व सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया ने वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि विधानसभा क्षेत्र के सभी ग्राम पंचायत के सरपंच के प्रत्येक घर-घर में कार्यकर्ता पहुंचकर भाजपा का प्राथमिक सदस्य बनने के लिए उनको जागृत करें। उन्होंने कहा की पार्टी के समस्त कार्यकर्ता परिश्रम और पराकाष्ठा की भूमिका में भाजपा की प्राथमिक सदस्य बनने के लिए अपने लक्ष्य को पूर्ण करेंगे। पूर्व मंत्री डॉ भदौरिया ने कहा कि देश में सैक?ों राजनीतिक दल है,जिनमें भाजपा अपनी विचारधारा को लेकर चुनाव लड़ती है 6 साल में पार्टी अपना सदस्यता अभियान के माध्यम से संगठन का विस्तार करती है। हम सबको चुनाव की दृष्टि से अपने बुथ को फोकस करना चाहिए ताकि आगामी चुनाव में भाजपा के प्रचंड बहुमत से जीत सुनिश्चित हो सके। प्रत्येक कार्यकर्ता का परिश्रम और पराकाष्ठा ही अटेर विधानसभा क्षेत्र के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका के साथ काम करेंगे तो निश्चित ही हमें सफलता प्राप्त होगी। वर्चुअल बैठक में जिला उपाध्यक्ष विधायक मंडल के प्रभारी सत्येंद्र सिंह भदौरिया,जिला मंत्री बजरंग सिंह भदौरिया पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा गुरुदेव सिंह नरवरिया ,आईटी सेल के प्रभारी राजपाल सिंह भदौरिया, मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र पालीवाल, राय सिंह नरवरिया,भाजपा युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ओमेन्द्र सिंह भदौरिया,संतोष सिंह तोमर,धीरेन्द्र मोनू भदौरिया सरपंच ,अवधेश सिंह भदौरिया मनीष राठौर परा नंदकिशोर सिंह भदौरिया ऋषि सिंह भदौरिया उदोतगढ़ विधानसभा टोली के सदस्यता अभियान के समस्त पदाधिकारी वर्चुअल बैठक में शामिल हुए।

गुमशुदा की तलाश

दैनिक पुष्पांजलि टुडे

नाम गुमशुदा- ज्योति कुशवाह पत्नी कृष्णा कुशवाह उम्र 22 साल निवासी- ग्राम देहगुवा थाना मौ जिला भिण्ड (म.प्र.)

रंग- गोरा, चेहरा- लम्बा, कपडे- हरे रंग की साडी, कद- लगभग 5 फुट 4 इंच उक्त गुमसुदा दिनांक 11/08/2024 को कस्वा मौ से बिना बताये कही चली गई है। जिस पर से थाना मौ मे जिला भिण्ड मे गुमइंसान क्रमांक 17/2024 दिनांक 12/08/2024 को पंजीबध्द है। जो व्यक्ति उक्त गुमसुदा के बारे मे सूचना देगा उसे नगद ईनाम से पुरुस्कृत किया जावेगा ।

सूचना देने वाले को नगद पुरुस्कार दिया जावेगा । निम्न नम्बरो पर सम्पर्क करे

पुलिस कन्ट्रोल रुम भिण्ड - 7049120050 थाना प्रभारी थाना मौ जिला भिण्ड -9425122679 विवेचक- प्र0आर0 308 पान सिह चौकी झांकरी -

संपादकीय

आम सहमति बने

निस्संदेह, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग की तीसरी पारी में बदलावकारी फैसले लेना उतना सहज नहीं रह गया है, जितना पहली–दूसरी पारी में नजर आता था। तीसरे कार्यकाल के सौ दिनों के बीच सरकार के कई फैसलों पर गठबंधन धर्म की गांठें नजर आई हैं। एक दशक की स्वछंद कार्यशैली के बाद अब भाजपा सहयोगी दलों पर निर्भर नजर आ रही है। कहीं न कहीं बदले हालात में पार्टी कई मुद्दों पर यू टर्न लेते हुए भी नजर आई। बहरहाल, लोकसभा में पहले के मुकाबले कमजोर स्थिति होने के बावजूद खुद को बेफिक्र दिखाने की बेताब कोशिश में पार्टी ने एक बार फिर अपने एक मुख्य एजेंडे– एक राष्ट्र,एक चुनाव– के मुद्दे को हवा दे दी है। पिछले दिनों स्वतंत्रता दिवस समारोह में लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विभिन्न राजनीतिक दलों से इस पहल का समर्थन करने के लिये एकजुट होने की अपील की थी। उन्होंने कहा था कि देश में वर्ष पर्यंत चलने वाले चुनाव भारत की प्रगति में बाधक बन रहे हैं। कहा गया कि राजग सरकार अपने वर्तमान कार्यकाल के भीतर इस महत्वपूर्ण चुनाव सुधार को लागू कराने को लेकर आशावादी है। अब इसे राजग का आशावाद कहें या अति आत्मविश्वास, जो उन्हें इस तथ्य को नजरअंदाज करने देता है कि कई राजनीतिक दलों ने एक साथ चुनाव कराने का विरोध किया था। निस्संदेह, एक राष्ट्र, एक चुनाव के लिये भाजपा द्वारा नई पहल किए जाने के निहितार्थ समझना कठिन नहीं है। सर्वविदित है कि पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा जनाधार बढ़ाने के बावजूद भाजपा देश का प्रमुख राजनीतिक दल बना हुआ है। ऐसे में अगर मतदाता दो साल के बजाय पांच साल में अपने मताधिकार का प्रयोग करता है तो इसका भगवा पार्टी को सबसे ज्यादा लाभ मिल सकता है। राजनीतिक पंडित राजग सरकार की एक राष्ट्र,एक चुनाव की मुहिम के पीछे ऐसी ही सोच बताते हैं। यह भी हकीकत है कि संसदीय चुनाव और विधानसभा चुनाव में अकसर अलग–अलग मुद्दे प्रभावी होते हैं। ऐसे में एक साथ चुनाव कराये जाने पर एनडीए के साथ गठबंधन न करने वाली क्षेत्रीय पार्टियों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। निस्संदेह, लोकतंत्र में सभी राजनीतिक दलों के लिये समान अवसर उपलब्ध होना जरूरी है। यह भारतीय जनता पार्टी के हित में होगा कि वह एक राष्ट्र,एक चुनाव, के मुद्दे पर आम सहमति बनाने के लिये कड़ी मेहनत करे। साथ ही इसके व्यावहारिक पहलुओं को लेकर हितधारकों द्वारा उठाये गए संदेहों को दूर करने का प्रयास करे। निश्चिय ही यह राजग के लिये बड़ी चुनौती होगी क्योंकि इस बार विपक्ष पहले के मुकाबले मजबूत भी है और एकजुट भी है। इसमें दो राय नहीं कि यह बात तार्किक है कि एक राष्ट्र, एक चुनाव का प्रयास शासन में सुनिश्चितता लाएगा। वहीं बार–बार के चुनाव खर्चीले होते हैं। दूसरे राज्य–दर–राज्य लंबी आचार संहिता लागू होने से विकास कार्य भी बाधित होते हैं। साथ ही साथ शासन–प्रशासन व सुरक्षा बलों की ऊर्जा के क्षय के अलावा जनशक्ति का अनावश्यक व्यय होता है। लेकिन वहीं दूसरी ओर इसके लागू होने से भारतीय संघीय ढांचे के लिये जो चुनौती पैदा होगी, उसे भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वैसे इस बार यदि केंद्र सरकार हरियाणा व जम्मू कश्मीर के साथ–साथ महाराष्ट्र व झारखंड में भी विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का प्रयास करती तो एक राष्ट्र,एक चुनाव के गुण–दोषों का मूल्यांकन करने में मदद मिलती। लेकिन केंद्र ने अपनी राजनीतिक सुविधा व समीकरणों के लिये ऐसी ईमानदार कोशिश नहीं की। वैसे भी भारत जैसे विविधता वाले देश में जाति, धर्म व संप्रदाय से ग्रसित सोच के बीच एक साथ चुनाव कराना खास जोखिम भरा भी है। पारदर्शी व निष्पक्ष चुनाव के लिये एक साथ चुनावी मशीनरी तथा सुरक्षा बलों की उपलब्धता के यक्ष प्रश्न भी हमारे सामने खड़े हैं। ऐसे में इसके सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आम सहमति बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए।

देश की बुनियाद पर प्रहार

एजेंसी

अब तक देश के प्रधानमंत्री विदेश दौरे से लौटते हुए ही प्रेस को अपनी यात्रा के बारे में बताते थे, ताकि उनके जरिए देशवासियों को पता चले कि हमारे प्रधानमंत्री ने किस देश में जाकर, क्या काम किया, जो हमारे लिए लाभकारी है।

महात्मा गांधी के आदर्शों पर चलते हुए अहिंसा की नीति को अपनाना, नेहरूजी की गुटनिरपेक्ष नीति और संविधान में कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका इन तीनों के बीच स्पष्ट कार्य विभाजन और एक–दूसरे की सीमाओं का सम्मान, ये कुछ ऐसी विशिष्ट बातें हैं, जिनके कारण भारत के लोकतंत्र की दुनिया में अलग पहचान बनी। आजादी के 75 साल बाद भी भारत का लोकतंत्र मजबूत बना हुआ है और इस पर हो रहे तमाम प्रहार विफल हुए हैं। इसका सबसे बड़ा कारण यही है कि भारत को बनाने वालों ने दूरदृष्टि के साथ जो विचार भारत की जड़ों में रोपे थे वो अब मजबूती से लोकतंत्र की रक्षा कर रहे हैं। लेकिन मौजूदा केंद्र सरकार भारत की इस खासियत को चोट पहुंचाने में लगी है। बीते दिनों ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ के घर गणपति पूजा में पहुंचे। विधायिका और कार्यपालिका से न्यायपालिका की एक सम्मानजनक दूरी होना चाहिए, लेकिन यहां वो दूरी मिटती दिखी। श्री मोदी के शासनकाल में देश के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई को राज्यसभा का सदस्य बनाया गया, पूर्व राष्ट्रपति को एक देश, एक चुनाव समिति का मुखिया बनाया गया। अब मुख्य न्यायाधीश के घर की निजी पूजा में प्रधानमंत्री के पहुंचने से कई किस्म के सवाल खड़े हुए, लेकिन भाजपा को इसमें कुछ गलत नजर नहीं आ रहा। भाजपा को शायद इस बात में भी कोई आपत्ति नहीं है कि देश के राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार अजित डोभाल रूस के राष्ट्रपति के सामने बैठकर उन्हें श्री मोदी के यूक्रेन दौरे की जानकारी दे रहे हैं। अब तक देश के प्रधानमंत्री विदेश दौरे से लौटते हुए ही प्रेस को अपनी यात्रा के बारे में बताते थे, ताकि उनके जरिए देशवासियों को पता चले कि हमारे प्रधानमंत्री ने किस देश में जाकर, क्या काम किया, जो हमारे लिए लाभकारी है। इसके बाद देश लौटने पर प्रधानमंत्री राष्ट्रपति को अपनी यात्रा का ब्यौरा देते थे। लेकिन दूसरे देश के राष्ट्रपति को इस तरह जानकारी देने का अर्थ क्या यह है कि भारत ने अपनी गुटनिरपेक्ष नीति और स्वतंत्र विदेश नीति को छोड़ दिया है। क्या अब भारत की संप्रभुता को इस तरह दांव पर लगाया जाएगा। श्री मोदी को अब यह भी स्पष्ट कर देना चाहिए कि यूक्रेन जाने से पहले क्या उन्होंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन की अनुमति भी ली थी। अगर यूक्रेन जाने का फैसला श्री मोदी ने संप्रभु राष्ट्र का मुखिया होने के नाते लिया था, तो अब कौन सी मजबूरी में उन्हें एनएसए को रूस भेजकर सफाई देनी पड़ी।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यह भी बताना चाहिए कि विदेश मामलों में या दूसरे देशों पर कार्रवाई का फैसला अब उनके विदेश मंत्री, रक्षा मंत्री, कैबिनेट इन सबकी सलाह से हो रहा है या भाजपा का कोई भी नेता इसके लिए बयान देने को अधिकृत है। क्योंकि त्रिपुरा में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने कहा है कि केवल इमुरलीश से काम नहीं चलेगा, बल्कि सुरक्षा के लिए इसुदर्शनश भी आवश्यक है। इस बात का ध्यान रखना है कि विधर्मियों को अवसर नहीं देना है। बांग्लादेश जैसे स्थिति की पुनरावृति यहां न होने पाए, इसके लिए ऐसी शक्तियों को हमें समाप्त करना है। हमें देश और धर्म को सुरक्षित रखना है। पाकिस्तान को मानवता का कैंसर और दुनिया का नासूर बताते हुए श्री योगी ने कहा जब तक पाकिस्तान का ऑपरेशन नहीं होगा, तब तक इलाज संभव नहीं है। पाकिस्तान का उपचार शुरू हो चुका है। अब पाक अधिकृत कश्मीर के लोग भारत में शामिल होना चाहते हैं। बलूचिस्तान भी पाकिस्तान से अलग होना चाहता है। क्या मोदी सरकार यह बता पाएगी कि उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री पीओके और बलूचिस्तान को लेकर जो दावे कर रहे हैं उनकी सच्चाई क्या है और पाकिस्तान का उपचार करने का मतलब क्या है। क्या भारत ने शांति की नीति को नकार दिया है। मुरली के साथ सुदर्शन की बात करके आदित्यनाथ योगी ने सीधे तौर पर हिंसक विचारों का समर्थन किया है और ऐसे विचार केवल पाकिस्तान के लिए ही प्रकट नहीं हो रहे हैं। देश में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को दी जा रही धमकियां बता रही हैं कि विपक्ष के नेताओं के साथ हिंसा के लिए उकसाया जा रहा है। महाराष्ट्र में शिवसेना शिंदे गुट के विधायक संजय गायकवाड़ ने ऐलान किया है कि राहुल गांधी की श्जीभ काटने वालेश को 11 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा। श्री गायकवाड़ ने राहुल गांधी के अमेरिका में आरक्षण पर दिए बयान के बाद यह ऐलान किया है। उन्हें आपत्ति है कि श्री गांधी ने आरक्षण खत्म करने की बात कही, हालांकि यह सरासर झूठी बात है, क्योंकि राहुल गांधी ने आरक्षण खत्म करने से साफ इंकार किया है। लेकिन उनकी चर्चा के वीडियो के एक अंश को ही गलत तरीके से फैलाया गया है। संजय गायकवाड़ साफ तौर पर फेक न्यूज का शिकार बने हैं, लेकिन उससे भी बढ़कर वे हिंसक विचारों से ग्रसित दिखाई दे रहे हैं, तभी उन्होंने बर्बर सोच को प्रदर्शित किया है। राहुल गांधी के विचारों से विरोध होने पर उसका तार्किक जवाब दिया जा सकता है, लेकिन हिंसात्मक तरीके से बदले का विचार जाहिर करता है कि बीते 10–11 बरसों में देश में नफरत और हिंसा लोगों में कूट–कूट कर भरी गई है। इससे पहले भाजपा के पूर्व विधायक तरविंदर सिंह मारवाह ने राहुल गांधी का हश्र उनकी दादी की तरह होने की बात कही थी और भाजपा सांसद रवनीत सिंह बिट्टू ने तो राहुल गांधी को नंबर एक आतंकी ही कह दिया। अलग–अलग वक्त और स्थानों पर हुई ये तमाम घटनाएं साबित कर रही है कि न्याय, शांति, अहिंसा जैसे सद्विचारों के साथ बनाए गए भारत पर राजनैतिक विरोध के नाम पर प्रहार किए जा रहे हैं, जो असल में उसकी बुनियाद को उखाड़ने की कोशिश है। जनता पर अब यह जिम्मेदारी है कि वह ऐसे प्रहारों का विरोध करे और संवैधानिक मूल्यों और आदर्शों की रक्षा करे।

केजरीवाल का दांव: अग्निपरीक्षा या गुगली

राजेंद्र शर्मा

सुप्रीम कोर्ट से जमानत पर रिहाई के बाद, आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं से अपने पहले संबोधन में ही, अरविंद केजरीवाल ने उन्हें झंझोड़कर रख देने वाला एलान कर दिया। केजरीवाल ने कहा कि वह दो दिन में मुख्यमंत्री का पद छोड़ देंगे। और उसके बाद मुख्यमंत्री का पद तभी स्वीकार करेंगे, जब जनता उनके ईमानदार होने पर अपने अनुमोदन की मोहर लगा देगी। सुप्रीम कोर्ट ने तो जमानत देकर उनके ईमानदार होने पर कानूनी मोहर लगा दी है, लेकिन उन्हें लगता है कि इतना काफी नहीं है। अब वह जनता के सामने अग्निपरीक्षा देंगे और मुख्यमंत्री पद तभी स्वीकार करेंगे, जब जनता उनके ईमानदार होने पर अपने वोट से मोहर लगाएगी। और अपनी इस त्याग मुद्रा का दायरा बढ़ाकर, इसे आम आदमी पार्टी की ही त्याग की मुद्रा बनाते हुए, केजरीवाल ने अपने इस्तीफे के फैसले के एलान में एक पेच और डाल दिया। उन्होंने एलान किया कि उन्हीं की तरह, व्यापक रूप से सरकार में नंबर–2 माने जाने वाले, उप–मुख्यमंत्री तथा शिक्षा मंत्री, मनीष सिसोदिया भी इस अग्निपरीक्षा की चुनौती स्वीकार करेंगे और जनता के ईमानदार घोषित करने के बाद ही, उप–मुख्यमंत्री तथा शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी संभालेंगे। पुनः इसी प्रसंग को और आगे बढ़ाते हुए, एक और पेच जोड़ते हुए केजरीवाल ने यह मांग भी पेश कर दी कि दिल्ली के विधानसभा चुनाव, जो अगली फरवरी में होने हैं, आगे खिसका कर नवंबर में होने वाले महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के साथ करा दिए जाएं, ताकि केजरीवाल की अग्निपरीक्षा जल्दी हो जाए। कहने की जरूरत नहीं है कि दिल्ली की मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा, केजरीवाल की इस गुगली से हतप्रभ रह गयी है। भाजपा के नेता, जो अब तक जेल में रहने के आधार पर केजरीवाल का इस्तीफा मांगते आ रहे थे, अचानक उनके इस्तीफे का एलान करने से समझ नहीं पा रहे हैं कि इसे अपनी कामयाबी मानें या अपनी परेशानी। यह कहने के सिवा कि केजरीवाल ने पहले ही इस्तीफा क्यों नहीं दिया, वे ज्यादा कुछ कह नहीं पा रहे हैं। हां! आखिरकार काफी कसरत के बाद उन्होंने यह नयी मांग जरूर निकाली है कि केजरीवाल और सिसोदिया ही नहीं, पूरे मंत्रिमंडल को इस्तीफा देना चाहिए! बहरहाल, मुख्य विपक्षी पार्टी की प्रतिक्रियाओं से समझना मुश्किल नहीं है कि वह समझ ही नहीं पा रही है कि इस नयी स्थिति से कैसे निपटा जाए। जाहिर है कि चुनाव जल्दी कराने की आम आदमी पार्टी की मांग ने भाजपा को और भी चक्कर में डाल दिया है। उसकी चुनाव जल्दी कराने में शायद ही कोई दिलचस्पी होगी, लेकिन चुनाव जल्दी कराए जाने का विरोध वह पार्टी कैसे कर सकती है, जो इसके दावे करती नहीं थकती है कि दिल्ली की जनता केजरीवाल की पार्टी से विश्वास उठ चुका है। बहरहाल, चुनाव जल्दी कराने के मुद्दे पर भाजपा, अपने हितों की रक्षा के लिए चुनाव आयोग पर भरोसा कर सकती है, जो वैसे भी केजरीवाल मनमुताबिक फैसला क्यों लेना चाहेगा? भाजपा के लिए इस मामले पर चुप लगाना ही काफी होगा। वैसे केजरीवाल ने भी विधानसभा भंग करने की सिफारिश नहीं करने और मंत्रिमंडल से जल्दी चुनाव कराए जाने का प्रस्ताव पारित नहीं कराने के जरिए, इसका इशारा कर दिया है कि वह भी जल्दी चुनाव की आम मांग को प्रचार के स्तर पर ही रखने जा रहे हैं, उससे आगे नहीं बढ़ाने जा रहे हैं। अग्निपरीक्षा के जरिए अपना श्श्सतश्श साबित करने का केजरीवाल का फैसला, एक राजनीतिक मास्टर स्ट्रोक साबित होता है या नहीं, इसका फैसला तो सबसे बढ़कर दिल्ली के चुनाव में होगा। लेकिन, केजरीवाल की गुगली ने भाजपा के लिए उसके खिलाफ अपने प्रचार की बैटिंग में रन बनाना, बहुत मुश्किल बना दिया है। दिल्ली शराब घोटाले के पूरे केस में कोई सचाई होने या नहीं होने से अलग, इससे इंकार करना मुश्किल है कि इस केस में एक के बाद एक, आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं की गिरफ्तारी तथा लंबे अर्से तक उन्हें जेल में बंद रखे जाने का, आम तौर पर इस पार्टी की छवि पर और खासतौर पर उसकी भ्रष्टाचार–विरोधी योद्धा की छवि पर, कुछ न कुछ असर जरूर पड़ा है। याद रहे कि यही छवि, मध्यवर्ग के बीच आप पार्टी के समर्थन का मुख्य आधार है। इसके साथ, दस साल से अधिक के शासन से पैदा हुई लोगों की निराशाएं जुड़कर, आप पार्टी के चेहरे पर बदहवासी की न सही, चिंता की रेखाएं लाती ही थीं। केजरीवाल ने इस दांव से एक ही झटके में, इसी गिरावट को थामने की कोशिश की है। कहने की जरूरत नहीं है कि आम तौर पर आम चुनाव के और खासतौर दिल्ली की सात सीटों पर चुनाव के नतीजों से, आम आदमी पार्टी ने निश्चित रूप से सबक लिया होगा। उसने खासतौर पर इस तथ्य से सबक तो जरूर लिया होगा कि इन सीटों पर भाजपा के मत फीसद में पिछले आम चुनाव की तुलना में कमी के बावजूद और कांग्रेस तथा आप पार्टी के बीच पूर्ण चुनावी समझौता होने और अरविंद केजरीवाल के विशेष जमानत पर प्रचार के लिए छूटकर, चुनाव प्रचार करने के बावजूद, भाजपा सभी सात सीटों पर जीत दर्ज कराने में कामयाब रही। इससे साफ था कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा आप सरकार के रास्ते में बाधाएं खड़ी किए जाने से लेकर, आप नेताओं के साथ उसके अत्याचार तक की सारी शिकायतें भी, दिल्ली के मतदाताओं को पर्याप्त रूप से प्रभावित नहीं कर पा रही थीं। इस अपर्याप्तता ने ही केजरीवाल को इस्तीफे की गुगली फेंकने के लिए प्रेरित किया लगता है, ताकि केंद्र में सत्ता में बैठी भाजपा के खिलाफ अपनी आलोचनाओं को और तीखी धार दे सके। केजरीवाल की इस्तीफे की गुगली के पीछे एक और भी कारण है। दिल्ली में, जहां उप–राज्यपाल के जरिए, केंद्र सरकार ने निर्वाचित सरकार के हाथ–पांव पहले ही बहुत ज्यादा बांध दिए हैं, केजरीवाल की जमानत पर रिहाई के साथ लगायी गयीं राज्य सचिवालय नहीं जाने से लेकर किसी फाइल पर दस्तखत नहीं करने तक की शर्तें, व्यवहार में उनके लिए मुख्यमंत्री के रूप में काम करना ही बहुत कठिन बना देती थीं। ऐसे में चुनाव से चंद महीने पहले, लगातार उप–राज्यपाल से खींचतान में फंसी सरकार चलाने में उलझे रहने के मुकाबले में, केजरीवाल को यही ज्यादा फायदे का सौदा लगा होगा कि मुख्यमंत्री के पद पर अपने किसी ऐसे उत्तराधिकारी को बैठा दिया जाए, जिसके काम करने पर उतने बंधन नहीं होंगे और इसलिए चुनाव से पहले, दिल्लीवासियों के लिए हित के कुछ काम हो रहे होंगे। और खुद वह स्वतंत्रता के साथ जनता के बीच जाकर, भाजपा के विरुद्ध अभियान चलाने की स्थिति में होंगे। फिर भी, केजरीवाल के लिए यह गुगली फेंकना भी कोई आसान नहीं था। सबसे बड़ी बात यह है कि आम आदमी पार्टी जिस तरह की चंद नेताओं पर ही केंद्रित पार्टी है, जिसके केंद्र में केजरीवाल हैं और जिसका वैचारिक आधार ज्यादा मजबूत नहीं है, संघ–भाजपा के बहुसंख्यकवादी सांप्रदायिक अभियान के सामने खासतौर पर केंद्य है। इस सब को देखते हुए चाहे अस्थायी रूप से ही हो, मुख्यमंत्री के पद के लिए अरविंद केजरीवाल के उत्तराधिकारी का चुनाव आसान नहीं है। भाजपा जिस तरह से साम–दाम–दंड–भेद, सभी हथियार लेकर, आप पार्टी तथा उसकी सरकार को कमजोर करने के लिए मौके की ताक में तैयार बैठी हुई है, उसके सामने तो यह और भी कठिन हो जाता है।झारखंड का उदाहरण सामने है। पहले गिरफ्तारी के जरिए, हेमंत सोरेन की सरकार को गिराने की कोशिश की गयी। जब यह कोशिश नाकाम रही और मुख्यमंत्री के पद पर हेमंत सोरेन वापस भी आ गए, तो उनकी जेलयात्रा के दौरान एवजीदार मुख्यमंत्री बनाए गए चंपई सोरेन को भाजपा ने तोड़ लिया। उनके सहारे एक अलग आदिवासी पार्टी खड़ी करने की कोशिश भी जब सिरे नहीं चढ़ी तो, उन्हें भाजपा में शामिल कर लिया गया। और अब खुद प्रधानमंत्री झारखंड में अपने चुनाव की घोषणा से पहले के चुनाव प्रचार में, भाजपा में नये–नये भर्ती किए गए चंपई सोरेन तथा सीता सोरेन के नाम का, झारखंड मुक्ति मोर्चा पर हमले के लिए इस्तेमाल करते देखे जा सकते हैं। अब जबकि केजरीवाल, जनमत की अग्निपरीक्षा में खरा उतरने के बाद, फिर से दिल्ली के मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने के हिसाब से चल रहे हैं, वह निश्चय ही झारखंड के घटनाक्रम की दिल्ली में पुनरावृत्ति नहीं चाहेंगे।

जम्मू–कश्मीरः भाजपा की नीतियों और समझौतों पर संशय

प्रदीप मिश्र

नए जम्मू–कश्मीर में दस साल बाद विधानसभा की 90 सीटों पर चुनावी गतिविधियां चरम पर हैं। अपनों की सरकार बनाने के लिए जम्मू के प्रवेश द्वार लखनपुर से कश्मीर के कंगन तक का अवाम उत्साहित है। नई सरकार में सुरक्षा, स्थिरता, समान विकास और समरसता ज्यादातर मतदाताओं का सपना है। सियासी दल इससे दबाव में हैं। सोच को साकार करने और सरोकार पूरा करने के लिए समीकरण साधे जा रहे हैं। सीमाएं समझते हुए संभावनाओं के हिसाब से कई खुले और गुप्त समझौते हो चुके हैं। एक ही विचारधारा के संगठनों में सहमति बन रही है। बावजूद इसके घोषित–अघोषित गठबंधन अपने–अपने हित में बहुमत की सरकार चाहते हैं। फिर भी नई सरकार के स्वरूप, केंद्र से समन्वय, संतुलन, स्थिरता और स्थानीय स्तर की स्वायत्तता को लेकर संशय हैं। संकल्पों, गारंटियों और घोषणाओं को पूरा करने के लिए सीमित संसाधन जहां सावधान करते हुए आने वाले दौर की समस्याओं का इशारा कर रहे हैं, वहीं पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 हटाने से समाप्त पूर्ण राज्य के दर्जे की वापसी के केंद्र सरकार के आश्वासन पर क्रियान्वयन के सही समय का सवाल भी सहज और स्वाभाविक है। भाजपा ने संकल्प के रूप में 25 सरोकार बताए हैं। इनमें पांच लाख नौकरियां, विद्यार्थियों को लैपटॉप, यात्रा के लिए तीन हजार रुपये और कोचिंग के लिए 10 हजार रुपये देने के अलावा मेडिकल कॉलेजों में एक हजार सीटें बढ़ाने का मंतव्य बेरोजगारी की समस्या पर ध्यान खींचता है। साथ ही मुफ्त पानी और बिजली के अलावा गरीबों को पांच मरला (125 गज) जमीन मुफ्त देने के अलावा किसानों को 10 हजार रुपये देने का वादा भी लुभावना है। वादों की आड़ में बड़े–बड़े दावे भी किए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि अनुच्छेद 370 खत्म होने के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू–कश्मीर (पीओजेके) पर दावा मजबूत किया गया है। यहां भुलाने की कोशिश की गई कि 22 फरवरी, 1994 को पीवी नरसिंह राव की सरकार में संसद में पीओके को भारत का अभिन्न अंग बनाने का सर्वसम्मत संकल्प पारित किया गया था, जिसे 30 साल हो चुके हैं। इसी क्रम में जम्मू से कश्मीर का सफर 14 घंटे से चार घंटे में बताया जा रहा है। तथ्य यह कि सड़क मार्ग से जम्मू से श्रीनगर पहुंचने में पहले आठ घंटे लगते थे। अब यह यात्रा लगभग पांच घंटे में पूरी हो रही है। इंडिया गठबंधन के घटक नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का चुनाव पूर्व गठबंधन है। दोनों के क्रमशरू 51 और 32 उम्मीदवार मैदान में हैं। नेकां के घोषणापत्र में अनुच्छेद 370 और 35 की बहाली के साथ पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल कराने समेत 12 गारंटियां हैं। राजनीतिक कैदियों की रिहाई, जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) निरस्त करने, छह महीन में एक लाख नौकरियां देने और भारत–पाकिस्तान के बीच बातचीत की पहल करने की बात कही गई है। महत्वपूर्ण बात यह भी कि यदि केंद्र सरकार ने जम्मू–कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल नहीं किया तो सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। जानना जरूरी है कि अनुच्छेद 370 हटाने से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने भी राज्य का दर्जा छीनने पर सवाल उठाए थे। शीर्ष अदालत ने ही 30 सितंबर तक चुनाव कराने का निर्देश दिया था। कांग्रेस की गारंटियों में पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाना तो है ही, एक लाख खाली सरकारी पद भरने, हर नागरिक का 25 लाख रुपये तक के स्वास्थ्य बीमा के अलावा कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास के लिए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की योजना को आगे बढ़ाने का वादा है। 2014 के बाद भाजपा के साथ सरकार बना चुकी पीडीपी ने 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, पानी पर टैक्स खत्म करने, गरीबों को रसोई गैस के 12 सिलेंडर देने की घोषणा की है। जाहिर है कि नई सरकारों के लिए अपने वादों को अमली जामा पहनाने के लिए बड़ी धनराशि की जरूरत होगी। केंद्र शासित प्रदेश के संसाधन सीमित हैं। जम्मू–कश्मीर में आर्थिक स्थिति बेहतर बनाने के सरकार के दावे के उलट यहां देनदारियां बढ़ी हैं। संसद द्वारा स्वीकृत 2024–2025 के बजट में बताया गया है कि केंद्र शासित प्रदेश की देनदारियां 2019–2020 में 83,573 करोड़ रुपये से बढ़कर 2022–23 में 1,12,797 करोड़ रुपये हो गई हैं। 2020–2021 में देनदारियां 92,953 करोड़ रुपये थीं, जो 2021–2022 में 1,01,462 करोड़ रुपये और 2022–2023 में 1,12,797 करोड़ रुपये तक पहुंच गईं। हालांकि जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा प्रदेश के कर्ज मुक्त होने का दावा कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि कर्ज और सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के बीच उचित अनुपात बना हुआ है। दूसरी ओर जानकार मानते हैं कि नई सरकार बनने के बाद होने वाले खर्च से सरकारी खजाने पर अचानक बोझ बढ़ेगा और आमदनी के साधन इसी तरह से नहीं बढ़ाए जा सकेंगे, क्योंकि लोकप्रियता के लिए सरकारें कर्ज लेने से परहेज नहीं करतीं हैं। नई सरकार के स्वरूप के राजनीतिक के अलावा सांविधानिक कारण भी हैं। जम्मू–कश्मीर पुनर्गठन कानून के अनुसार विधानसभा की 90 सीटों पर सीधा चुनाव होगा। पांच विधायकों का मनोनयन उपराज्यपाल करेंगे। दो सीटें कश्मीरी विस्थापितों और एक सीट पीओजेके विस्थापित के लिए आरक्षित है। कश्मीरी विस्थापितों में एक सीट महिला के लिए आरक्षित रहेगी। इसके अतिरिक्त सदन में उचित प्रतिनिधित्व नहीं होने पर दो और सीटों पर महिलाओं को मनोनीत किया जाएगा। मुख्य संशय दिल्ली और पुडुचेरी मॉडल को लेकर है। दिल्ली में विधानसभा की 70 सीटें हैं।

ईद जुलूस में फिलिस्तीन का झंडा लहराने बालो पर fir दर्ज करने की बजरंग दल ने की मांग

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा - रीवा शहर में 16 सितम्बर 2024 को मुस्लिम समाज ने ईद का जुलूस निकाला,इस जुलुस में पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन की नाक के नीचे मुस्लिम समाज के कुछ देश द्रोहियों तत्वों ने हमास जैसे आतंकी संगठन के समर्थन में अपनी सहानभूति प्रकट करने और हिन्दू समाज मे डर का माहौल पैदा करने की घटिया मानसिकता के साथ रीवा जैसे शांत शहर का माहौल खराब करने के इरादे से हिन्दू बाहुल्य इलाके से जुलूस के दौरान फिलिस्तीन का झंडा लहराया जिससे आम हिन्दू जन भावना आहत हुई एवं हिन्दू समाज मे तीव्र आक्रोश है एक मोडिफाई जीप में आगे की तरफ फिलिस्तीन का झंडा लहराया जा रहा है जिसमे मासूम मिल्लत कमेटी का बैनर लगा हुआ है ऐसे ही फोर्ट रोड में सर्राफा बाजार में भी जुलूद्र के दौरान मुस्लिम युवक फिलिस्तीन का झंडा लहरा रहा थाबजरंग दल जिला सह संयोजक पं बालकृष्ण द्विवेदी ने रीवा पुलिस अधीक्षक को पत्र सौपकर मांग रखी है प्रदेश में अन्य शहरों में फिलिस्तीन का झंडा लहराने पर की गई गयी fir की तरह रीवा में फिलिस्तीनी झंडे लहराने बालो पर कार्यवाही की जाए , अन्यथा संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा इस दौराननगर सह मंत्री राकेश गुप्ता,राज पांडेय,नगर संयोजक मयंक तिवारी ,सुधांशु मिश्रा ,सुमित मांजवानी ,शुभम मिश्रा दरोगा तिवारी, अभिषेक मिश्रा, सहित काफी संख्या में बजरंगी उपस्थित रहे

कलेक्टर ने चार अधिकारियों पर लगाया जुर्माना

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत तय समय सीमा में प्रकरणों का निराकरण न करने पर कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने चार अधिकारियों पर अधिनियम के प्रावधानों के तहत जुर्माना लगाया है। लोक सेवा गारंटी में दर्ज प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण न करने पर इन अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस दिया गया था। नोटिस का संतोषजनक उत्तर न मिलने पर जुर्माने की कार्यवाही की गई है। जुर्माने की राशि को तीन दिवस की समय सीमा में जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। इस संबंध में जारी अलग-अलग आदेशों के अनुसार कलेक्टर ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी सेमरिया श्रीमती सुषमा मिश्रा पर एक हजार रुपए, प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी बैकुण्ठपुर संतोष कुमार सिंह पर पाँच सौ रुपए, प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जवा राहुल पाण्डेय पर एक हजार रुपए तथा प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी त्योंथर संजय कुमार सिंह पर एक हजार रुपए का जुर्माना लगाया है।

ग्राम पुरास में हर घर में नल से पहुंचा पानी - ग्रामवासी जमा कर रहे जल कर

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के हर घर में नल से पानी पहुंचाने के संकल्प को जल जीवन मिशन की समूह नलजल योजनाओं तथा लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की एकल नलजल योजनाओं से पूरा किया जा रहा है। जिन गांवों में पेयजल के लिए हैण्डपंपों में ग्रामीणों को जद्दोजहद करनी प?ती थी वहाँ अब हर घर में सुबह-शाम नल से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो रहा है। ऐसा ही गांव विकासखण्ड रीवा का ग्राम पुरास है। ग्राम पुरास में हर घर में नल से मीठे और स्वच्छ पानी की आपूर्ति हो रही है। ग्रामवासी ग्राम पंचायत को 60 रुपए प्रतिमाह का जल कर भी खुशी-खुशी अदा कर रहे हैं। अब तक ग्राम पंचायत को 18 हजार रुपए जल कर की राशि प्राप्त हो चुकी है। इस संबंध में कार्यपालन यंत्री पीएचई संजय पाण्डेय ने बताया कि जल जीवन मिशन से पुरास गांव में एक लाख 25 हजार लीटर क्षमता की उच्च स्तरीय टंकी और 30 हजार लीटर क्षमता का सम्पवेल बनाया गया है। पूरे गांव में पाइपलाइन बिछाकर हर घर में नल का कनेक्शन दिया गया है। पानी की आपूर्ति के लिए चार बोरवेल में सबमर्सिबल पंप लगाए गए हैं। इनके माध्यम से प्रतिदिन टंकी में पानी संग्रहित करके उसे वितरित किया जाता है। नलजल योजना का निर्माण गोविंद कन्स्ट्रक्शन द्वारा किया गया है। निर्माण कार्य पूरा होने तथा पानी आपूर्ति की टेस्टिंग के बाद विभाग ने नलजल योजना ग्राम पंचायत को सौंप दी है। पीएचई विभाग नलजल योजना के संचालन में ग्राम पंचायत को तकनीकी सहयोग प्रदान कर रहा है। जल जीवन मिशन ने ग्राम पुरास की पेयजल समस्या का अंत करके हर घर में नल से पानी की आपूर्ति की सौगात दी है।

एडीबी का वैश्विक अनुभव मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने में सहयोगी होगाः उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

एशियन डेवलपमेंट बैंक के प्रतिनिधि मंडल से सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में किया विमर्श

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा।उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) द्वारा विगत कई वर्षों से जनहित के कार्यों में सहयोग प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एडीबी का वैश्विक अनुभव और सहयोग मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने में सहयोगी होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल से मंत्रालय वल्लभ भवन में एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य भेंट की। उप मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधि मंडल से स्वास्थ्य क्षेत्र में मध्यप्रदेश के साथ सहयोग के विभिन्न विषयों पर चर्चा की।स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के लिए विभिन्न अंतःक्षेपों पर किया गया मंथन - उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के लिए एडीबी प्रतिनिधि मंडल से विभिन्न अंतःक्षेपों पर मंथन किया। एडीबी प्रतिनिधि मंडल द्वारा संचारी, ?ैर-संचारी रोगों के नियंत्रण, टीबी के उन्मूलन के लिए उन्नत डायग्नोस्टिक और नवीनतम उपचार प्रणाली में सहयोग सहित स्वास्थ्य नीतियों के सशक्तीकरण के लिए विभिन्न देशों में एडीबी द्वारा किए जा रहे प्रयासों का विवरण प्रदान किया गया। साथ ही भारत के विभिन्न राज्यों में स्वास्थ्य क्षेत्र में एडीबी द्वारा किए जा रहे सहयोगों पर विस्तार से चर्चा की गई और मध्यप्रदेश में सहयोग के क्षेत्रों पर विमर्श किया गया। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में एडीबी द्वारा विगत 25 वर्षों में ऊर्जा, अधोसंरचना, शहरी विकास आदि क्षेत्रों में सहयोग प्रदान किया गया है।शिक्षा और स्वास्थ्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता - उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सशक्त और दूरदर्शी नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था सशक्त हुई है। उन्होंने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य सर्वोच्च प्रधानमंत्री श्री मोदी के सर्वोच्च प्राथमिकता के विषय हैं। बच्चों और युवाओं को उत्कृष्ट शिक्षा और हर नागरिक तक सहज, सुलभ चिकित्सकीय सेवाओं की उपलब्धता के लिए जन कल्याणकारी योजनाएँ संचालित हैं। इन सेवाओं को सशक्त और सहज उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सतत प्रयास हो रहे हैं ।स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने के निरंतर हो रहे प्रयास - उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में अधोसंरचना विस्तार और अत्याधुनिक उपकरण की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने में निजी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पीपीपी मोड पर 12 ?ितों में मेडिकल कॉलेज स्थापना के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में कुशल मैनपावर उपलब्धता के लिए एमबीबीएस और विशेषज्ञ कोर्स की सीट में वृद्धि की गयी है। आगामी 2 वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र में 25 हजार से अधिक मैनपावर की नियुक्ति प्रक्रियाधीन है। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं ।एडीबी के प्रतिनिधि मंडल में डायरेक्टर हेल्थ (ह्यूमन एंड सोशल डेवलपमेंट साउथ एशिया) एडीबी डॉ एडवर्डो बंगोंल, डायरेक्टर (ह्यूमन एंड सोशल डेवलपमेंट साउथ एशिया) एडीबी श्रीमती जी यून सांग, प्रमुख स्वास्थ्य विशेषज्ञ एडीबी डॉ दिनेश अरोड़ा, वरिष्ठ स्वास्थ्य विशेषज्ञ एडीबी श्री निशांत जैन शामिल रहे। बैठक में प्रमुख सचिव स्वास्थ्य संदीप यादव, आयुक्त स्वास्थ्य तरुण राठी, अपर आयुक्त चिकित्सा शिक्षा डॉ पंकज जैन, ऐरपा के एडिशनल सीईओ लोकेश शर्मा सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने सिलपरा - बेला सड़क निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

आगामी एक वर्ष में पूर्ण गुणवत्ता के साथ कार्य को पूरा करने के दिये निर्देश

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने सिलपरा से बेला तक बनाई जा रही 13.1 किमी. सड़क के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। 225 करोड़ रूपये की लागत से बनाई जाने वाली इस सड़क के बन जाने से रीवा शहर के चारों ओर रिंग रोड का निर्माण हो जायेगा और शहर में भारी वाहनों का प्रवेश नहीं होगा तथा यातायात के दबाव से मुक्ति मिलेगी। कलेक्टर ने निर्माण कार्य की अद्यतन स्थिति का मौके पर जाकर निरीक्षण किया तथा निर्देश दिये कि आगामी एक वर्ष में पूर्ण गुणवत्ता के साथ सड़क निर्माण का कार्य पूरा करें। कलेक्टर ने सिलपरा में बनाये जा रहे अण्डरपास तथा आरओबी निर्माण में आ रहे व्यवधान को निराकृत करने के निर्देश एसडीएम हुजूर को दिये। उन्होंने निर्देशित किया कि भूमि का सीमांकन कराकर निर्माण कार्य के लिये एनएचएआई को अधिपत्य दिलायें। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सिलपरा में अण्डरपास, पड़ोखर में आरओबी सहित बांसी में बनाये जा रहे सेतु निर्माण कार्य का अवलोकन किया। इस दौरान टीम लीडर एन.एच.ए.आई. ए.के. सिंह ने बताया कि वर्तमान समय में दो ब्रिज, एक छोटा ब्रिज, जीएसबी तथा हाइवे कोरेटर का कार्य प्रगति पर है। इसके साथ ही कैनाल ब्रिज व अन्य छोटी-पुलियों का कार्य भी किया जा रहा है। इस कार्य को पूरा करने की समय सीमा मार्च 2026 नियत है परन्तु दो शिफ्ट में कार्य को तेजी से कराते हुए अक्टूबर 2025 तक पूरा करने के हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान एसडीएम हुजूर वैशाली जैन तथा एनएचएआई के अधिकारी व निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गुढ़ बस स्टैंड में हो रहे अवैध अतिक्रमण पर प्रशासन ने लिया संज्ञान दिया स्टे का आदेश

सोशल मीडिया में अवैध अतिक्रमण को लेकर प्रमुखता से चलाई गई थी खबर अवैध अतिक्रमण पर खबर चलने का हुआ असर,गुढ़ तहसीलदार ने लिया संज्ञान अवैध भवन निर्माण पर लगाई रोक, दिया स्टे आगामी आदेश तक भवन ना निर्माण करने की दी चेतावनी

दैनिक पुष्पांजली टुडे
विकास तिवारी

गुढ़। गुढ़ बस स्टैंड में पिछले कुछ महीने पहले नगर परिषद के विकास कार्यो के लिए अवैध रूप से बनाए गए पहले जो मकान बने थे उनको धरासही करके बुलडोजर चलवा दिया गया और नगर के विकास के लिए अपना कार्य चालू कर दिया लेकिन जैसे ही कुछ दिन बीते यहां पर जिन अवैध मकानों को गिराया गया था। उनमें शंकर गुप्ता के द्वारा कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों से साथ मलाईदार जेब का वजन बढ़ा करके खुलेआम अवैध निर्माण करके घर बनाए जाने लगा। जिस पर गुढ़ के सभी व्यापारी भाइयों ने मौखिक रूप से मीडिया को बताया कि यह अवैध अतिक्रमण हो रहा है। अगर यह करेंगे तो हम भी अपनी दुकानों के सामने पर दुकान फिर से बनाना चालू कर देंगे लेकिन उनको समझाया गया कि नगर के विकास के लिए जो अवैध अतिक्रमण किया गया था वह अब नहीं किया जा सकता लेकिन लगातार उस अवैध अतिक्रमण को लेकर लोगो में आक्रोश हो रहे थे। जिस पर खबर सोशल मीडिया में चलाई गई। जिसका संज्ञान लेते हुए गुढ़ पुलिस के साथ ही हल्का पटवारी गुढ़ ने मौके पर पहुंचकर मुआयना किया और उस पर आदेश करते हुए पंचनामा बनाकर निर्माण कार्य जब तक जांच ना हो जाएं तब तक के लिए रोक दी गई। लेकिन अधिकारियों कर्मचारियों से साथ घाट बैठ के कुछ मलाईदार गांधी जी के नोट उनको थमाने का असर ऐसा था कि अधिकारियों के आदेश के बावजूद भी शंकर गुप्ता के द्वारा लगातार उनके आदेशों की अवहेलना करते हुए जैसे ही वह पीठ पीछे जाते फिर से इनका मकान बनाना चालू हो जाता जिस पर प्रमुखता से पत्रकार विकास तिवारी के द्वारा खबर चलाई गई और उस पर गुढ़ तहसीलदार ने उसको संज्ञान लिया और आगामी 27 सितंबर तक भवन निर्माण पर रोक लगा दी और 27 सितंबर को तहसील कार्यालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने को कहा वह गया। अगर उसके बावजूद भी भवन निर्माण कराया जाएगा तो भवन निर्माण करने वाले के ऊपर एक पक्षी दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

कैलाश काग उज्जैन ट्रस्ट उपाध्यक्ष मनोनीत

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

कुक्षी= श्री योग माया नवदुर्गा अखिल भारतीय सीरवी क्षत्रिय समाज उज्जैन ट्रस्ट के गत दिवस उज्जैन में चुनाव संपन्न हुए। पूर्व अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी रामलाल सेंचा गांधीधाम (गुजरात) तथा अन्य वरिष्ठों की उपस्थिति में श्री योगमाया नवदुर्गा मंदिर ट्रस्ट उज्जैन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष भगवान सिंह चौहान ने उज्जैन ट्रस्ट की कार्यकारिणी का गठन किया। जिसमें चार उपाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव,कोषाध्यक्ष, सह कोषाध्यक्ष का मनोनयन किया गया। जिसमें नगर कुक्षी की सामाजिक संस्था श्री आईजी सेवा समिति के अध्यक्ष तथा अखिल भारतीय सिर्वी महासभा मध्यप्रदेश के प्रदेश सरंक्षक व समाजसेवी कैलाश काग को उज्जैन ट्रस्ट का उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। कैलाश काग के उज्जैन ट्रस्ट उपाध्यक्ष बनने पर क्षत्रिय सीरवी समाज सकल पंच अध्यक्ष कांतिलाल गहलोत, उपाध्यक्ष कैलाश काग, कोठारी मोती काग, कोटवाल रमेश परिहर,वरिष्ठ पंच राजेश राठौर,कोषाध्यक्ष राजेश भायल समाज की अन्य समितियां के सदस्यो ने कैलाश काग को उज्जैन ट्रस्ट उपाध्यक्ष मनोनीत होने पर बधाई दी एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

श्री हरिदासजी स्मारक ट्रस्ट महेश्वर की बैठक वरिष्ठ जनों के सानिध्य में संपन्न हुई

स्मारक के पास निर्माणाधीन श्री आईमाता मंदिर की पूर्णता पर जोर

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

मध्यप्रदेश-महेश्वर में नर्मदा के उत्तरी तट पर नर्सिंग टेकरी स्थित आईपंथ के दसवें धर्म गुरु दीवान श्री हरिदासजी के समाधि स्थल पर सर्वप्रथम मां श्री आईजी की आरती के बाद ट्रस्ट के अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह काग एवं सिर्वी महासभा म.प्र.के प्रांताध्यक्ष भगवान लछेटा तथा ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश परिहार के मार्गदर्शन में पूरी कार्य योजना बनाई गई। संपूर्ण प्रकल्प के केंद्र में श्री आईमाता मंदिर निर्माण के साथ स्मारक का जीर्णोध्दार तथा परिसर का संरक्षण शामिल रहे। इस हेतु जिन दानदाताओं ने श्रद्धा -सहयोग निधि के संकल्प पूर्व में लिए थे। उनके द्वारा आज राशि ट्रस्ट को समर्पित की गई। उज्जैन ट्रस्ट के नवनियुक्त उपाध्यक्ष हीरालाल पटेल (भीकुपुरा) द्वारा कक्ष निर्माण के निमित्त 2-लाख रु. ट्रस्ट को सौंपे गए। इसी क्रम में सोहन सिंह परिहार-छोटी खरगोंन द्वारा भी 50-हजार रु. की राशि समर्पित की गई। श्रीआईमाता मंदिर के हेतु पूर्व संकल्प अनुसार भानालाल सोलंकी (मारसाब) जाजमखेड़ी* द्वारा चार स्तंभ की राशि 84-हजार रु. ट्रस्ट को समर्पित किये गए। डॉक्टर बाबूलाल लछेटा महेश्वर (लोनसरा) शोभाराम चौधरी रुक्मणि गौशाला राजपुरा, गुलाब गोविंद काग सिरलाय, कमल चुन्नीलाल बर्फा (लक्ष्य सुपर बाजार) हरसगाँव, द्वारा भी पूर्व घोषणा अनुसार 21-21हजार रु. की राशि सहर्ष प्रदान की गई। राधेश्याम मुकाती द्वारा भी 5100/-रु प्रकल्प सहयोग राशि समर्पित की गई। हीरालाल पटेल द्वारा श्री आईमाता मंदिर निर्माण में 51-बोरी सीमेंट का सहयोग करने का संकल्प भी लिया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट के नव नियुक्त धन संग्रहण (चंदा) समिति अध्यक्ष नरेंद्र बर्फा एवं निर्माण समिति अध्यक्ष भगवान जमादारी का स्वागत वंदन किया गया। ट्रस्ट के सभी उपाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्यों के साथ विशेष रूप से बड़वानी जिले से जगदीश जमादारी, मोहन बर्फा एलआईसी मनावर, धार सिर्वी समाज जिला अध्यक्ष राधेश्याम मुकाती, सिर्वी महासभा के उपाध्यक्ष महेंद्रसिंह परिहार, राधेश्याम पटेल, एवं वरिष्ठ चम्पालाल हम्मड, पूर्व जनपद सीइओ. लक्ष्मण राठौर, किशोर काग, गोविन्द कोटवाल छोटी खरगोन, हरिदास ट्रस्ट उपाध्यक्ष लक्ष्मण परिहार जाजन खेड़ी गरिमामय उपस्थिति रही।
बैठक का कार्य संचालन ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी जितेंद्र लछेटा द्वारा किया गया।

चित्रांगदा सिंह ने शेयर किया बूमरैंग वीडियो

(फोटोः एएनआई)

बॉलीवुड अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह ने इंस्टाग्राम पर मोनोक्रोम में एक बूमरैंग वीडियो शेयर किया और अपनी भावनाएं शेयर की। क्लिप में अभिनेत्री गाउन पहने बैठी हुई हैं और कैमरे की ओर देखकर मुस्कुरा रही हैं। कैप्शन में उन्होंने लिखा, नर्वस + एक्साइटेड = नेक्सानइटेड!! हालांकि, अभिनेत्री ने यह नहीं बताया कि वह किस बात के लिए नर्वस और उत्साहित हैं। उन्होंने बूमरैंग क्लिप के बैकग्राउंड स्कोर के तौर पर पॉप क्वीन मैडोना के गाने ₹ट्रू ब्लू₹ का इस्तेमाल किया।

हाल ही में घोषणा की गई थी कि चित्रांगदा, अक्षय कुमार अभिनीत "हाउसफुल 5" के कलाकारों में शामिल हो गई हैं। चित्रांगदा एक बार फिर अक्षय के साथ देसी बॉयज और खेल खेल में के बाद स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। उन्होंने स्टार की प्रशंसा की और उन्हें कॉमेडी का सच्चा मास्टर₹ कहा। 'हाउसफुल 5' की शूटिंग के लिए लंदन जा रहीं अभिनेत्री ने बताया, अक्षय अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली हैं और कॉमेडी के सच्चे मास्टर हैं। हम एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं और उनके साथ काम करना हमेशा खुशी की बात होती है।

फिल्म की पहला पार्ट 2010 में रिलीज हुआ था। इसमें अक्षय, रितेश देशमुख, अर्जुन रामपाल, लारा दत्ता, दीपिका पादुकोण और दिवंगत स्टार जिया खान थे। दो साल बाद, दूसरा पार्ट रिलीज हुआ। पहले दो भागों का निर्देशन साजिद खान ने किया था। तीसरे और चौथा पार्ट का निर्देशन फरहाद सामजी ने किया था और पांचवीं फिल्म हाउसफुल 5 का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है। पांचवें पार्ट में फरदीन खान, पूजा हेगड़े और रितेश भी हैं। अभिनेत्री को आखिरी बार 2023 में ₹गेसलाइटर₹ में देखा गया था। यह फिल्म एक रहस्य-रोमांच है। इसका निर्देशन पवन कृपलानी ने किया है। इसमें विक्रांत मैसी और सारा अली खान भी हैं।

(फोटोः एएनआई)

थाइलैंड में छुट्टियां मना रहीं नेहा शर्मा

अभिनेत्री नेहा शर्मा अपनी बहन आयशा के साथ थाईलैंड के फुकेट में धूप का आनंद ले रही हैं। उन्होंने अपनी छुट्टियों के मस्ती की एक झलक साझा की है, जिसमें उन्होंने अपनी यात्रा से एक मजेदार और मुंह में पानी लाने वाला पल साझा किया है। उन्होंने खुलासा किया कि उनके खाने की प्लेट पर स्वादिष्ट प्रॉन (झींगे) खाने का मौका मिलने से पहले ही गायब हो गए थे।

इंस्टाग्राम स्टोरी पर नेहा ने अपनी मस्ती भरे लम्हों की कई तस्वीरें शेयर की। इनमें से एक में वो आकर्षक लाल रंग के स्विमसूट में थीं, जिसके साथ कैप्शन था, डिनर के लिए तैयार लेकिन अगले ही पल उन्हें शॉक मिला। अपनी अगली पोस्ट में उन्होंने खीरे, प्याज और सॉस की एक प्लेट शेयर की। लेकिन तस्वीर में प्रॉन शामिल नहीं था। उन्होंने इस पोस्ट में अपनी बहन आयशा को टेग किया। चुटकी लेते हुए कहा, झींगे कहां हैं आयशा शर्मा...मैंने शुरू भी नहीं किया था कि वे खत्म हो गए।

मस्ती तब भी जारी रही जब नेहा ने एक और फोटो शेयर की, इस बार वह चाय की चुस्की लेती दिखीं। एक आरामदायक और सुकून भरे माहौल के साथ, उन्होंने लिखा, रात को सोने का समय हो गया है... क्योंकि सुबह 7 बजे योग क्लास है जिसे हम मिस नहीं कर सकते। मजेदार फॉलो-अप स्टोरी में नेहा ने एक फोटो पोस्ट की जिसमें वह खूबसूरत हरे रंग की ड्रेस में कॉफी इन्जॉय ले रही हैं।

हिंदी भाषा में सर्वाधिक कमाई करने वाली फिल्म बनीं स्त्री 2

बॉलीवुड स्टार राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की जोड़ी वाली फिल्म स्त्री 2 ने शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' के हिंदी भाषा में लाइफटाइम कलेक्शन को पछाड़ते हुए अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनकर सिनेमाई इतिहास में अपना नाम दर्ज कर लिया है। बॉलीवुड के किंग खान शाहरूख खान की फिल्म 'जवान' ने हिंदी भाषा में 582.31 करोड़ की कमाई की थी। वहीं स्त्री 2 ने जवान के रिकार्ड को तोड़ दिया है और 586 करोड़ की कमाई कर ली है। फिल्म स्त्री 2 की प्रोक्शन कंपनी मैडॉक फिल्म्स ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट साझा कर इस खबर की पुष्टि की है।पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया है, 'भारतीय बॉक्स ऑफिस की नंबर 1 हिंदी फिल्म,वो स्त्री है आखिर उसने कर दिखाया, हिन्दुस्तान की सबसे बेहतरीन और नंबर 1 हिंदी फिल्म।

कॉल मी बे के दूसरा सीज़न की घोषणा

(फोटोः एएनआई)

प्राइम वीडियो ने आज आधिकारिक रूप से घोषणा की कि कॉल मी बे का दूसरा सीज़न बनाया जा रहा है। 6 सितंबर को प्राइम वीडियो पर अपने प्रीमियर के बाद से ही, कॉल मी बे ने हर आयु वर्ग के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है और सांस्कृतिक युग का हिस्सा भी बन गया है। इस सीरीज़ ने व्यापक और गहरे स्तर पर दर्शकों तक अपनी पहुंच बनाई है, यह शो 165 से अधिक देशों में और भारत के 85% से अधिक पिन कोड्स में देखा गया है। दर्शकों से मिल रहे सकारात्मक प्रतिक्रियाओं के प्रमाण के रूप में, कॉल मी बे भारत के शीर्ष 10 सूची में अपनी शुरुआत से ही पहले स्थान पर बना हुआ है।

74 वर्ष की हुईं शबाना आजमी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री शबाना आजमी आज 74 वर्ष की हो गयी। 18 सितंबर 1950 को जन्मीं शबाना आजमी के पिता कैफी आजमी मशहूर शायर और गीतकार थे जबकि मां शौकत आजमी रंगमंच की जानी-मानी अभिनेत्री थी।शबाना ने स्नातक की पढ़ाई दिल्ली के सेंट जेवियर कालेज से पूरी की और इसके बाद उन्होंने पुणे फिल्म इंस्टीट्यूट में दाखिला ले लिया। पुणे में अभिनय का प्रशिक्षण हासिल करने के बाद वह अभिनेत्री बनने के लिए 1973 में मुम्बई आ गईं।

यहां उनकी मुलाकात निर्माता- निर्देशक ख्वाजा अहमद अब्बास से हुई, जिन्होंने उन्हें अपनी फिल्म फासले में काम करने का प्रस्ताव किया। यह फिल्म पूरी हो पाती उससे पहले ही उनकी फिल्म अंकुर प्रदर्शित हो गयी। श्याम बेनेगल के निर्देशन में बनी और 1974 में प्रदर्शित फिल्म अंकुर हैदराबाद की एक सत्य घटना पर आधारित थी। इस फिल्म में शबाना आजमी ने लक्ष्मी नामक एक ऐसी ग्रामीण युवती का किरदार निभाया, जो शहर से आये एक कालेज स्टूडेंट से प्यार कर लेती है। फिल्म के निर्माण के समय श्याम बेनेगल ने अपनी कहानी कई अभिनेत्रियों को सुनायी, लेकिन सभी ने फिल्म में काम करने से मना कर दिया। कैरियर के शुरआती दौर में इस तरह का किरदार किसी भी अभिनेत्री के लिये जोखिम भरा काम हो सकता था लेकिन शबाना आजमी ने इसे एक चेलेंज के रूप में लिया और अपने सधे हुये अभिनय

(फोटोः एएनआई)

से समीक्षकों के साथ ही दर्शकों का भी दिल जीतकर फिल्म को सुपरहिट बना दिया। इस फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिये वह सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित की गयी। वर्ष 1975 में श्याम बेनेगल की ही फिल्म निशांत में शबाना आजमी को उनके साथ फिर काम करने का मौका मिला। वर्ष 1977 शबाना आजमी के सिने कैरियर का अहम पड़ाव साबित हुआ। इस वर्ष उन्हें जहां महान फिल्मकार सत्यजीत रे की फिल्म शतरंज के खिलाड़ी में काम करने का मौका मिला। वहीं फिल्म स्वामी में उत्कृष्ट अभिनय के लिये वह सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार से सम्मानित की गयी। इस बीच शबाना आजमी ने व्यावसायिक सिनेमा की ओर भी अपना रुख कर लिया।

इस दौरान उन्हें विनोद खन्ना के साथ परवरिश और अमर अकबर एंथोनी जैसी फिल्मों में काम करने का अवसर मिला, जिसकी सफलता ने उन्हें व्यावसायिक सिनेमा में भी स्थापित कर दिया। वर्ष 1982 में प्रदर्शित फिल्म अर्थ शबाना आजमी के लिये कैरियर की एक और महत्वपूर्ण फिल्म साबित हुयी। महेश भट्ट के निर्देशन में बनी इस फिल्म में शबाना आजमी ने एक ऐसी शादीशुदा महिला का किरदार निभाया जिसका पति उसे अन्य महिला के कारण छोड देता है। इस फिल्म के लिये शबाना आजमी दूसरी बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित की गयी।वर्ष 1983 में प्रदर्शित फिल्म मंडी शबानी आजमी की अहम फिल्मों में शुमार की जाती है।

बहुरंग

जापान में रिलीज होगी फिल्म लापता लेडीज

(फोटोः एएनआई)

जियो स्टूडियोज की फिल्म लापता लेडीज जापान में 04 अक्टूबर को रिलीज होगी। मार्च 2024 में रिलीज हुई फिल्म लापता लेडिज सिनेमाघरों में आकर्षित करने तथा ओटीटी पर दर्शकों से प्यार और प्रशंसा बटोरने में सफल हुई थी। अब यह फिल्म जापान में दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार है, जिसकी रिलीज 04 अक्टूबर, 2024 को निर्धारित है।यह फिल्म, एक ही ट्रेन में अलग हो जाने वाली दो युवा दुल्हनों के बारे में हल्की फुल्की एक मनोरंजक कॉमेडी है। नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव और रवि किशन अभिनीत, लापता लेडीज जापानी दर्शकों को हसाने और मनोरंजक कहानी से मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार है। निर्देशक किरण राव जापान से प्रतिक्रियाओं का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। अपनी खुशी को साझा करते हुए, उन्होंने कहा,मैं रोमांचित हूँ कि लापता लेडीज़ जापान में रिलीज़ हो रही है। मैं जापानी सिनेमा की प्रशंसक रही हूं, मुझे हमेशा जापानी संस्कृति में गहरी दिलचस्पी रही है, और मुझे उम्मीद है कि फिल्म का भावनात्मक सार जापानी दर्शकों के साथ वैसा ही जुड़ेगा जैसा कि हमारे साथ था।

दिलचस्प

जीनत अमान ने गोवा में फोटोशूट की तस्वीर शेयर की

(फोटोः एएनआई)

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री एवं 'इंस्टाग्राम की रानी' के रूप में चर्चित जीनत अमान ने गोवा में अपने फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की है।जीनत अमान ने अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरों की एक श्रृंखला साझा की, जिसमें उन्हें एक आकर्षक पोशाक पहने देखा जा सकता है। उन्होंने ज़ेबरा प्रिंट केप वाला एक खूबसूरत गाउन पहना है।

तस्वीरों के साथ जीनत ने डिजाइनर तानिया अल्फोंसो फड़ते के साथ अपने सहयोग के बारे में जानकारी साझा की। जीनत अमान ने पोस्ट साझा कर केप्शन में लिखा, बस मुझे बर्ड-ऑफ-पैराडाइज़ कहें। शानदार दिखने और हमेशा उड़ान भरने के लिए तैयार रहने के लिए पैदा हुई हूं। एक स्व-घोषित होम-बर्ड के रूप में।तानिया, एक असाधारण रूप से प्रतिभाशाली स्टाइलिस्ट है। जीनत अमान ने साझा किया कि उन्होंने गोवा के तटीय राज्य होने के कारण वहां की भीषण उमस में अपने बाल और मेकअप खुद किया। उन्होंने लिखा, तस्वीरों में जो भी खामियां हैं, वे मेरी अपनी बनाई हुई हैं, मैंने खुद ही अपने बाल बनाए और मेकअप किया, क्योंकि मैं नमी से जूझ रही थी!

विदेशी सैलानियों को भी लुभा रहा है मुकुंदपुर व्हाइट टाइगर सफारी

रीवा। पोलैंड के 13 पर्यटकों ने महाराजा मार्तण्ड सिंह व्हाइट टाइगर सफारी का भ्रमण किया। सफेद बाघ का दीदार करके पर्यटकों ने खुशी जाहिर की। पर्यटकों ने नवनिर्मित वर्ड एवेयरी की भी प्रशंसा की। पिछले कई महीनो से व्हाइट टाइगर सफारी में विदेशी पर्यटकों की लगातार आमद हो रही है। विदेशी सैलानियों को टाइगर सफारी लुभा रहा है तथा पर्यटक टाइगर सफारी में खुले में भारतीय बाघों को देखकर रोमांचित हैं। व्हाइट टाइगर सफारी ने विभिन्न पर्यटन उद्योग को नई ऊंचाइयां दी है।

पत्रकार को गोली मारकर हत्या करने वाले आरोपियों को फांसी दिलाने के लिए जम्प पत्रकारों ने किया मुख्यमंत्री के नाम पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा

म.प्र. में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने के की मांग

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी - मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के सारंगपुर मैं पत्रकार सलमान अली की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में आरोपियों को फांसी सजा दिलाने के लिए आज जंप के पत्रकारों ने मुख्यमंत्री के नाम पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सोपा

पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ होता है और समाज में व्याप्त समस्याओं को प्रकाशित एवं प्रसारित कर शासन प्रशासन का ध्यान अव्यवस्थाओं की ओर खींचने का काम हमेशा पत्रकारों द्वारा किया जाता है लेकिन पत्रकारिता के क्षेत्र में आज पत्रकारों पर लगातार हमले होने से पत्रकारों को काफी कठिनाइ?यों का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में मध्यप्रदेश के ही राजगढ़ जिले के सारंगपुर में पत्रकार सलमान अली की गोली मारकर हत्या कर दी गई एवं गुना जिले के एक पत्रकार को लहूलुहान करने से शिवपुरी जिले के पत्रकार काफी आहत हैं। सभी पत्रकारो ने मध्यप्रदेश सरकार से मांग की हैं कि इस तरह पत्रकारों के हमले करने वाले हमलावरों को कड़ी सजा से दण्डित किया जाए एवं पत्रकारों की सुरक्षा के लिए पत्रकार सुरक्षा काननू लागू किया जाए, पदि इस तरह लोकतंत्र के प्रहरियों पर हमले होंगे तो देश में लोकतंत्र की रक्षा कौन करेगा।

पत्रकार साथियों की मांग है कि हमले के आरोपियों का मुकदमा फास्ट ट्रेक कोर्ट में चलाकर फांसी की सजा से दण्डित किया जाए एवं पत्रकारों की सुरक्षा के लिए पत्रकार सुरक्षा काननू लागू किया जाए जिससे पत्रकार बिना किसी डर भय के पत्रकारिता कर सकें।

बसपा के प्रदेश प्रभारी इंजी. एवं राष्ट्रीय को डिनेटर सीपी सिंह जी एवं प्रदेश अध्यक्ष पिप्पल का पत्रकार दिनेश चौधरी के किया स्वागत

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय कॉर्डिनेटर एवं मध्यप्रदेश के प्रभारी इंजी. सीपी सिंह और बसपा प्रदेश अध्यक्ष इंजी. रमाकांत पिप्पल का पत्रकार दिनेश चौधरी के नेतृत्व में कार्यक्रम स्थल राधिका पैलेस गार्डन पर जोरदार स्वागत किया गया। आपकों बता दें कि गुरुवार को बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में संविधान बचाओ एवं आरक्षण के समर्थन में जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन शहर के राधिका पैलेस गार्डन में सम्पन्न हुआ वहीं पत्रकार दिनेश चौधरी ने अपनी टीम के साथ बहुजन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व का फूल मालाओं से स्वागत किया। सूत्रों का कहना है कि पत्रकार दिनेश चौधरी भी बसपा जिलाध्यक्ष की रेस में हैं वे लंबे समय से पार्टी में कार्य कर रहे हैं और विभिन्न पदों पर वह काबिज़ भी रहे हैं। दिनेश चौधरी एक युवा नेता हैं और साथ में पत्रकारिता भी करते हैं पार्टी, बहुजन समाज की आवाज समय-समय पर बुलंद भी करते आए हैं अगर बसपा वरिष्ठ नेतृत्व श्री चौधरी पर भरोसा जताते हैं तो बसपा को युवाओं की लंबी टीम भी मिलेंगी तथा युवा बहुजन समाज पार्टी के प्रति अपना योगदान देने के लिए आगे अग्रसर होगा।

मजदूर संघ ने अपनी मांगों को लेकर जिलाधीश को ज्ञापन सौंपा

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी - भारतीय मजदूर संघ शिवपुरी द्वारा 19 सितंबर 2024 को कर्मचारी पेंशन स्कीम 1995 के अंतर्गत न्यूनतम मासिक पेंशन में बढ़ोतरी हेतु ज्ञापन पत्र डिप्टी कलेक्टर महोदय को सोपा गया जिसमें मुख्य मांगे कर्मचारी पेंशन स्कीम 1995 के अंतर्गत देय न्यूनतम पेंशन राशि रुपए 1000/- प्रति माह में बढ़ोतरी कर रुपए 5000/- प्रतिमाह किया जाए

कर्मचारी पेंशन स्कीम 1995 की राशि को महंगाई भत्ते के साथ लिंक कर भुगतान किया जाए ऐसे समस्त पेंशन धारक को आयुष्मान भारत योजना लाभ दिए दिया जाए ज्ञापन में मुख्य रूप से भारतीय मजदूर संघ के सभी अनुसांगिक संगठन ने भाग लिया जिसमें अजमेर सिंह यादव प्रांतीय कार्य समिति सदस्य गोविंद प्रसाद शर्मा जिला अध्यक्ष वरिष्ठ नागरिक परिसंघ फतेह सिंह गुर्जर विभाग प्रमुख भारतीय मजदूर संघ श्री शत्रुघ्न सिंह तोमर जिला अध्यक्ष भारतीय मजदूर संघ जितेंद्र श्रीवास्तव जिला मंत्री भारतीय मजदूर संघ रमेश शिवहरे , रामहित शर्मा वरिष्ठ नागरिक परिसंघ मीडिया प्रभारी पुरुषोत्तम कांत शर्मा श्रीमती हरभजन कौर भगवान दास माहौर जिला सचिव योगेश शर्मा श्रीमती लता दुबे श्रीमती मंजू धाकड़ श्रीमती सुभद्रा तोमर श्रीमतीआशा दुबे कौशल श्रीवास्तव संतोष यादव एवं रविंद्र तोमर खिलेश शर्मा एवं बडी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया भगवान राम व सीता माता के विरुद्ध अमर्यादित पोस्ट करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- सोशल मीडिया पर अमर्यादित पोस्ट करने बाले आरोपी के खिलाफ कार्यवाही करते हुये गिरफ्तार किया है । आरोपी के द्वारा भगवान राम व सीता माता के विरुद्ध फेसबुक पर अमर्यादित पोस्ट डाली जिसपर पुलिस द्वारा संज्ञान लेते हुये तुरंत कार्यवाही की गयी । दिनाँक 31.08.2024 को भगवान के लिये अमर्यादित पोस्ट डालने वाले आरोपी कल्यान पुत्र पप्पू जाटव उम्र 26 साल निवासी ग्राम बामौरकला के विरुद्ध थाना रन्नौद पर अपराध क्र. 160/24 धारा 299 बीएनएस का पंजीबद्ध किया गया था, जिसे पुलिस द्वारा आज दिनाँक 19.09.2024 को बस स्टैण्ड रन्नौद से आरोपी कल्यान जाटव को गिरफ्तार किया गया है ।

सराहयनीय भूमिका –उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी रन्नौद उप निरीक्षक अरविन्द सिंह चौहान सउनि ब्रजमोहन सैलर, आर. 846 महेश पटेलिया, आर. 886 सिद्धनाथ गौड, आर. 1086 राजवीर पवैया की सराहयनीय भूमिका रही है।

गाली देने से मना किया तो दोस्त को बेहरमी से पीटा, सिर में आए टांके, इलाज जारी

दैनिक पुष्पांजलि टुडे से सतीश परिहार

शिवपुरी- जिले की अमोला थाना क्षेत्र बताने वाले ग्राम सिरसौद में एक युवक को बेहरमी से पीटने का मामला सामने आया है. युवक ने अपने ही दोस्त से गाली देने से मना किया तो दोस्त ने दोस्त को बेहमरी से पीट दिया. जानकारी के अनुसार विक्की बसोर उम्र 28 साल निवासी ग्राम सिरसौद थाना अमोला ने बताया कि वह अपने गांव में ही अपने दोस्त के साथ था. इसी दौरान दोस्त राज जाटव ने गाली देना शुरू कर दिया. जब युवक ने गाली देने से मना किया तो उसको पटक पटक कर पीट डाला. इसके बाद युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है. जहां पर उसके सिर में पांच टांके आए हैं. युवक का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

घर से 100 मीटर की दूरी पर बने कुए में मिली 3 दिन से गायब बालक की लाश, पुलिस ने जाँच शुरू की

दैनिक पुष्पांजलि टुडे मोनिका परिहार बदरवास

शिवपुरी- जिले के मायापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले चिरवाई गांव में कुएं में एक नाबालिक बालक का शव मिला है. इसके बाद पुलिस ने शव को बरामद कर शव का पीएम कराकर जाँच शुरू कर दी है. जानकारी के अनुसार इस्कम लोधी पुत्र हरिराम लोधी उम्र 12 साल निवासी गणेश खेड़ा चौकी खोड़ थाना भोंती 15 तारीख की शाम से लापता था. उसके बाद परिजनों ने 16 तारीख को खोड़ चौकी में अपहरण का मामला दर्ज कराया था. परिजन और पुलिस लगातार बालक को ढूंढ रहे थे इसके बाद मंगलवार की रात 11 बजे युवक का शव मायापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम चिरवाई के कुएं में मिला है. बता दें कि यह सीमा खोड़ चौकी और मायापुर थाना क्षेत्र की है. घर से 100 मीटर की दूरी पर ही युवक का शव कुएं में मिला है. पुलिस ने आज शव का पीएम करा कर जांच शुरू कर दी है.

कांग्रेस की किसान न्याय यात्रा आज निकलेगी,प्रदेश के कई वरिष्ठ नेता होंगे शामिल

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा किसानों की परेशानी,महिलाओं,अजा, अजजा,अल्पसंख्यको पर हो रहे अत्याचारों को लेकर दिनांक 20 सितंबर 2024 को किसान न्याय यात्रा निकालेगी ।किसान न्याय यात्रा ग्राम दबोहा मोड ग्वालियर रोड भिंड से सुबह 11 बजे से प्रारंभ होकर पूर्व प्रधानमंत्री आयरन लेडी श्रीमती इंदिरा गांधी की प्रतिमा सिटी कोतवाली इटावा रोड़ तक निकलेगी।कांग्रेस जिला मीडिया प्रभारी पंकज त्रिपाठी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि यात्रा में किसान न्याय यात्रा के भिंड जिला प्रभारी पूर्व मंत्री लाखन सिंह यादव,विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह,विधानसभा में उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे,गोहद विधायक केशव देसाई,भांडेर विधायक फूलसिंह बरैया,पूर्व मंत्री चौधरी राकेश सिंह चतुर्वेदी,कांग्रेस जिलाध्यक्ष मानसिंह कुशवाहा एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. राधेश्याम शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे ।किसान न्याय यात्रा में विधायक,पूर्व विधायक,जिला कांग्रेस,पदाधिकारी, समस्त ब्लॉक अध्यक्षगण,सेवादल, महिला कांग्रेस,युवा कांग्रेस, एनएसयूआई,किसान कांग्रेस, पिछ?ावर्ग प्रकोष्ठ,नगरीय निकाय प्रकोष्ठ,अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, अनुसूचित जाति मोर्चा,विधिप्रकोष्ठ, विधुत प्रकोष्ठ के अध्यक्षगण, पार्षदगण एवं पूर्व पार्षदगण व पदाधिकारी एवं हजारों की संख्या में कार्यकर्ता सम्मित होंगे।

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ भिंड जिला इकाई ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा आभार पत्र

दैनिक पुष्पांजलि टुडे

भिण्ड। मध्य प्रदेश के पत्रकारों को स्वास्थ्य बीमा का लाभ देने के लिए मध्य प्रदेश शासन के द्वारा हर वर्ष पत्रकारों का स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा किया जाता है। इसी के अंतर्गत इस वर्ष बीमा कंपनी के द्वारा प्रीमियम राशि को कई गुना बढ़ा दिया गया था। जिसको लेकर मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ ने मध्य प्रदेश के समस्त जिलों में मुख्यमंत्री माननीय मोहन यादव को कलेक्टर के मार्फत ज्ञापन सोपे गए थे। ज्ञापन में बड़ी हुई बीमा राशि को कम करने एवं बीमा की समय सीमा 15 सितंबर से बढ़कर 30 सितंबर करने इसके अलावा उत्तर प्रदेश की तर्ज पर मध्य प्रदेश में भी पत्रकारों के लिए निशुल्क बीमा योजना शुरू करने की मांग की गई थी। जिसके अंतर्गत माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा 17 सितंबर को बीमा प्रीमियम की बड़ी हुई राशि सरकार के द्वारा जमा करने एवं बीमा की अंतिम दिनांक 20 से बढ़कर 25 सितंबर करने का आदेश जारी करने पर मध्य प्रदेश के समस्त जिलों में मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष माननीय शलभ भदोरिया के निर्देशन में माननीय मुख्यमंत्री महोदय को भिण्ड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के मार्फत आभार पत्र सौंपा गया। इसी कड़ी में आज भिंड जिला इकाई के अध्यक्ष साथी विक्रम सिंह जादौन के नेतृत्व में आभार पत्र सौंपा गया। आभार पत्र सौंपते समय प्रतिनिधि मंडल में मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की प्रदेश इकाई के सचिव साथी महेश मिश्रा, संभागीय महासचिव साथी राकेश शर्मा, जिला अध्यक्ष साथी विक्रम जादौन, साथी भानु श्रीवास्तव, जिला महासचिव साथी असगर खान, साथी इमरान अली, साथी राम कुमार पुरोहित, साथी पंकज त्रिपाठी, साथी गिरीश जोशी, साथी घनश्याम मिश्रा, साथी शत्रुघन सिंह, साथी हरिओम वर्मा, साथी भरत रावत, साथी जितेंद्र यादव, साथी संतोष बघेल आदि पत्रकार साथी उपस्थित थे।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सेवक बनकर शिविर और जलभराव में बचाव कार्य के जरिए घर-घर जाकर उपलब्ध कराई भोजन और दैनिक उपयोग की वस्तुएं

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर तोमर एक सच्चे सेवक की तरह अति वारिश के चलते जलभराव में राहत कार्य करते हुए दिखाई दिए । उन्होंने ग्वालियर -15 विधानसभा क्षेत्र के जलभराव से प्रभावित इलाकों में घर-घर जाकर राहत और बचाव कार्य के जरिए अपनी भूमिका निभाई, तो जलभराव से प्रभावित परिवारों के भोजन और दैनिक उपयोग की वस्तुएं उपलब्ध कराकर एक जन प्रतिनिधि के दायित्व का निर्वहन किया।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर बुधवार की रात्रि सर्वाधिक जलभराव से प्रभावित घुम्मकड़ आदिवासी मलिन बस्ती के पीएचई कॉलोनी स्थित नौ

महिला शासकीय प्राथमिक विद्यालय में संचालित राहत शिविर के शिविरार्थियों के बीच बिताएंगे। इससे पहले खुद ऊर्जा मंत्री ने शिविरार्थियों के भोजन और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के अलावा उनके रहने और विश्राम की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि आज ग्वालियर में अति वारिश के कारण जलभराव की स्थिति पैदा हुई है, इससे निपटने के लिए ग्वालियर में राहत शिविर बनाये गये हैं और आपका यह सेवक पीएचई कॉलोनी स्थित नोमहिला शासकीय प्राथमिक विद्यालय में रात्रि विश्राम करेगा। इस राहत शिविर में भोजन बिस्तर के साथ दैनिक जीवन यापन की पूर्ण व्यवस्था है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की मिलावट खोरों पर कार्रवाई निरंतर जारी

दैनिक पुष्पांजली टुडे

खाद्य पदार्थों में किसी भी प्रकार की मिलावट संबंधी शिकायत मो. 8839544152 पर कराएं दर्ज

भिण्ड । कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के निर्देश पर एवं अभिहित अधिकारी डॉ. शिवराम सिंह कुशवाह के निर्देशन में दिनांक 18 सितम्बर 2024 एवं 19 सितम्बर 2024 को खाद्य सुरक्षा अधिकारी कु. रेखा सोनी एवं श्रीमती रीना बंसल द्वारा दुग्ध एवं किराना व्यापारियों से नमूने लेकर जांच के लिए भोपाल भेजे गये।जिसमें माखन भोग होटल अग्रसेन चौराहा भिण्ड प्रो. अशोक जैन से पनीर, दाल, चावल, पोरवाल किराना स्टोर, अग्रसेन चौराहा भिण्ड प्रो. दीपांशु पोरवाल से उड़द दाल, चना, छोले, रौसा, हरी मटर, पारसनाथ किराना स्टोर अग्रसेन चौराहा भिण्ड प्रो. आकाश जैन से रिफा. राईस ब्राण्ड ऑयल, मूंग दाल, राजमा, दलिया, चिलर संचालक राघवेन्द्र सिंह तोमर इंडस्ट्रीयल एरिया भिण्ड के वाहन क्रमांक एमपी 07 जेड जे 2304 से दूध, होतम सिंह बघेल, ग्राम सिमार बिरगंवा, मेंहगांव भिण्ड से दूध, राजेन्द्र दूध भण्डार गोल मार्केट भिण्ड प्रो. अनुराग जैन से पनीर, गोपाल डेयरी चन्दूपुरा, संचालक बुद्धे थापक से पनीर के नमूने जांच हेतु लिये गये

छोटी बातें बड़े काम की..

दूध को उबलने से बचाने के लिए बर्तन के किनारों पर जरा सा घी लगा दें।

- विटामिन ई के कैप्सूल के अंदर से निकलने वाले पाउडर को जले हुए स्थान पर लगाने से जल्द आराम मिल जाता है।
- नेल पॉलिश को परफ्यूम की सहायता से साफ किया जा सकता है।
- -अगर जूतों के फीतों की टिप निकल जाए तो फीते के किनारों पर नेलपालिश लगाकर उसे सख्त किया जा सकता है।
- कांच के सामान को धोने से पहले वाशबेसिन में तौलिया बिछा दें इससे उनके टूटने या चटकने की संभावना कम रहती है।
- टी-बैग्स को गर्म पानी में भिगोकर उस पानी को करीब बीस मिनट के लिए अपनी आंखों के नीचे लगाने पर वहां की सूजन को दूर किया जा सकता है।
- इंजेक्शन लगने के बाद होने वाली तकलीफ, सनबर्न तथा रेजर से कट जाने पर कुछ टी-बैग्स को पानी में भिगोने के बाद चोट वाले स्थान पर लगाएं।
- कुम्हलाई हुई सब्जियों को नींबू की कुछ बूंद पड़े ठंडे पानी में एक घंटा तक भिगो दें। सब्जियां ताजा हो जाएंगी।
- चाय का स्वाद बढ़ाने के लिए उबालते समय इसमें सूखे या ताजे संतरे के कुछ छिलके डाल दें।
- रबर बैंड को गर्मी के कारण चिपकने से बचाने के लिए उसके डिब्बे में थोड़ा सा टैल्कम पाउडर डाल दें।
- जले हुए दूध की महक दूर करने के लिए इसमें पान के दो पत्ते डालकर कुछ मिनट उबालें।

स्टोन पेंटिंग से सजाएं घर

इमारतों के निर्माण के साथ घर की सजावट में भी पत्थरों की अहम भूमिका है। आर्टीफेक्ट्स के अलावा पत्थरों के जरिये बनाई जाने वाली पेंटिंग्स की खूबसूरती का भी कोई जवाब नहीं। घर के लिविंग रूम, किड्स रूम और बेडरूम के अलावा पूजाघर की सज्जा में भी ऐसी पेंटिंग्स का इस्तेमाल किया जा सकता है..

संगमरमर, ग्रेनाइट, कोटा स्टोन या फिर कसौटी पत्थर के विविध रूपों का इस्तेमाल बिल्डिंग्स के निर्माण और उनकी सजावट के लिए वर्षों से होता रहा है। लाल पत्थर से बने बात चाहे दिल्ली के लाल किला की हो या फिर सफेद संगमरमर से दमकते ताजमहल की। सैंड स्टोन से बने कोणार्क के सूर्य मंदिर और लिंगराज मंदिर की खूबसूरती भी कुछ कम नहीं। वैसे इन सभी इमारतों में एक चीज समान है और वो यह कि पत्थर से विभिन्न तरह के पत्थरों से बनी इन इमारतों की खूबसूरती अद्वितीय है। इमारतों के निर्माण, उनकी फ्लोरिंग आदि से लेकर पत्थरों से बने आर्टीफेक्ट्स के जरिये घर व ऑफिस की सुंदरता बढ़ाने के पत्थरों का इस्तेमाल वैसे तो सदियों से किया जा रहा है। लेकिन आज के दौर में पत्थर का इस्तेमाल एक नए रूप में भी हो रहा है। जिसे जाना जाता है स्टोन पेंटिंग के नाम से।

पत्थरों के रंग-बिरंगे छोटे-बड़े टुकड़ों का चूरा बनाकर विविधता भरे डिजाइनों पर इन्हें चिपका कर चमकीली स्टोन पेंटिंग तैयार की जाती है। जो कि देखने में बेहद आकर्षक होती है। इस तरह की पेंटिंग से घर की सज्जा को नई जीवंतता दी जा सकती है। ऐसी पेंटिंग तैयार करने के लिए ऐमेथिस्ट, कैल्सीडोना, कोर्नोलियन, एग्टे, ब्लड स्टोन आदि का इस्तेमाल किया जाता है। स्टोन पेंटिंग बनाने के लिए कैनवास पर मनचाही आकृति बना लेने के बाद उस पर गोंद जैसा एक खास तरह का चिपकने वाला पदार्थ लगाया जाता है। इसे लगाने के बाद बड़ी सफाई के साथ कैनवास या शीट पर रंग-बिरंगे पत्थरों को चिपकाने के बाद सूखने के लिए छोड़ दिया जाता है।

पूरी तरह सूख जाने के बाद इन पेंटिंग्स के रंगों में भी ऑयल पेंटिंग जैसा ही लुक आ जाता है। यह भी आप और आपके घर आने वाले मेहमानों का उतना ही ध्यान आकर्षित करने में समक्ष हैं जितना कि ऑयल या फिर ग्लास पेंटिंग की खूबसूरती किसी को आकृष्ट करती है।

अगर आप अपने घर को इस तरह की पेंटिंग से सजाना चाहते हैं तो विभिन्न बाजारों से इन्हें खरीद सकते हैं। आर्ट गैलरीज के अलावा साउथ एक्सटेंशन के डिपार्टमेंटल स्टोर्स, कनॉट प्लेस और हौज खास जैसे इलाकों में स्थित आर्ट गैलरियों में इनकी विविधता भरी वेरायटी देखी जा सकती है। स्टोन पेंटिंग के रूपों में जहां राजसी परिवारों के राजा और रानियों के चित्र देखे जा सकते हैं, वहीं इनके जरिये की गई लैंड-स्केपिंग भी आंखों को कुछ ऐसी ताजगी देती है कि मन करता है कि पेंटिंग से नजरें हटाई ही न जाएं। आप चाहें तो ईश्वर की आकृतियां वाली स्टोन पेंटिंग भी ले सकते हैं। खासकर घर या फिर ऑफिस के पूजाघरों के लिए इन्हें उपयुक्त कहा जा सकता है। इसके अलावा बच्चों के कमरों में इन्हें सजाने के लिए उनके पंसदीदा कार्टून कैरेक्टर्स के चेहरे के रूप में भी लिया जा सकता है।

जहां तक ऐसी पेंटिंग्स की कीमत का सवाल है तो इसमें इनका आकार महत्वपूर्ण भूमिका निभता है। साथ ही पेंटिंग बनाने में कैसे और कौन सी किस्म के पत्थर का इस्तेमाल किया गया है, यह भी उसकी कीमत को प्रभावित करती है। वैसे डेढ़ फुट की लंबाई-चौड़ाई वाल ी ऐसी पेंटिंग के लिए आपको कम से कम कम डेढ़ हजार रुपये का बजट रखना होगा। जैसे-जैसे आकार और पेंटर की मेहनत बढ़ेगी इसकी कीमत में भी इजाफा होता जाएगा।

पेंटिंग के पत्थरों से बनने की वजह से अगर आप इनकी देख-रेख को लेकर चिंतित हैं, तो फिक्र की कोई बात नहीं, क्योंकि फोटोग्राफ्स की तरह आमतौर पर इन्हें फ्रेम करा दिया जाता है, जिससे कि पत्थरों पर धूल-मिट्टी न पड़े। हां, अगर फ्रेम के शीशों पर धूल जमे तो सूखे और फिर हल्के गीले कपड़े से इन्हें साफ किया ही जा सकता है।

आम तौर पर पेंटिंग के रूप में घरों में ज्यादातर ऑयल कलर्स की पेंटिंग्स ही देखने को मिलती हैं। लेकिन अपने घर में कुछ अलग और नया करने के लिए आप भी स्टोन पेंटिंग का इस्तेमाल कर सकते हैं।

ऐसा हो किचन

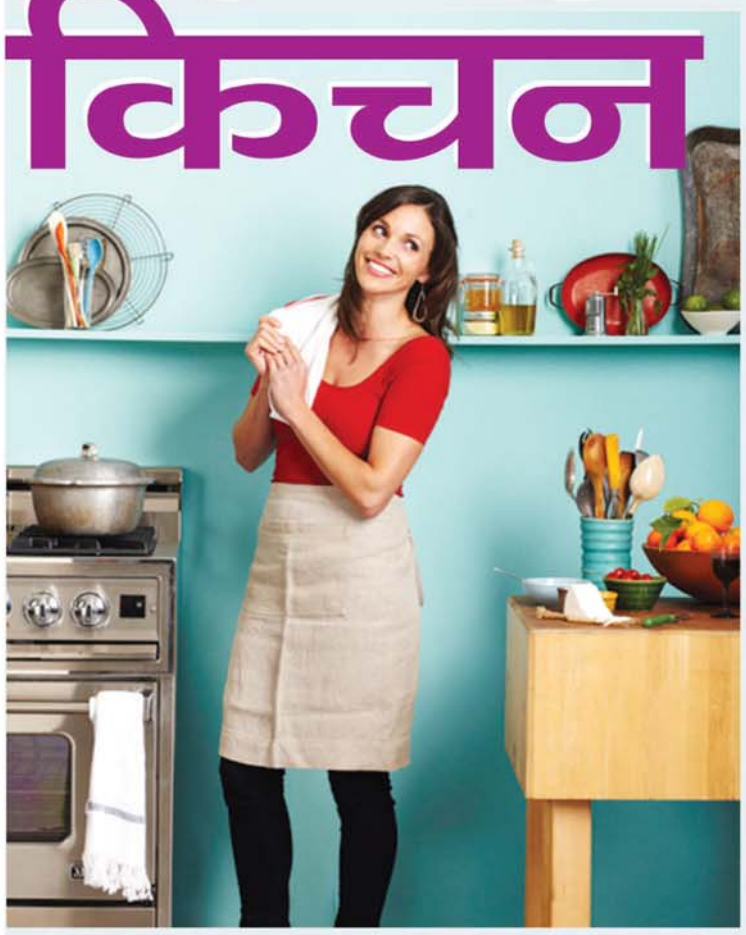

परिवार छोटा हो या बड़ा, बैचलर हों या फिर बुजुर्ग, हर किसी के लिए कुछ अलग तरह के किचन की जरूरत पड़ती है। बुजुर्ग और बड़े परिवार के लिए कैसा हो किचन और कैसी सुविधाएं हों इसमें मौजूद..

घर में बैचलर हों तो छोटे किचन से काम चल जाता है, लेकिन परिवार बड़ा हो तो किचन में ज्यादा स्पेस का होना स्वाभाविक भी है। साथ ही खाना बनाने के अलावा दूसरे अप्लायंसेज की जरूरत भी कुछ ज्यादा ही होती है। इसी तरह से यदि घर में सिर्फ बुजुर्ग ही हों तो भी किचन में कुछ खास चीजों के अलावा किचन का डिजाइन अलग तरह का होना जरूरी है। कैसे परिवार के लिए कैसा हो किचन आइये जानते हैं-

बुजुर्गों के लिए

- पहले आप जितना चल-फिर पाते थे या काम कर पाती थीं हो सकता है अब आप उतना मूव नहीं कर पाएं इसलिए किचन ऐसे ढंग से व्यवस्थित करें जहां आपको बार-बार पीठ झुकानी और घुटने मोड़ने न पड़े। आपकी जरूरत का सारा सामान आपके चारों ओर हो। यहां दिए गए उपायों को अपनाकर आप अपने किचेन को सुविधाजनक बना सकते हैं।
- ऐसी फ्लोरिंग चुनें जिसे साफ करना आसान हो। इसके लिए सिरेमिक टाइल्स, टेक्सचर्ड टाइल्स, बैंबू या इसी प्रकार कोई भी फ्लोर मटीरियल चुनें। ताकि फिसल कर गिरने का डर भी न हो।
- बुजुर्गों के लिए मॉड्यूलर किचन बेस्ट विकल्प है। ताकि नीचे वाले कैबिनेट का इस्तेमाल करने में ज्यादा मशक्कत न करनी पड़े। किचन के अंदर ही मेज और दो कुर्सी की व्यवस्था ताकि सब्जी वगैरह काटते समय या बीच में आराम के लिए बैठा जा सके।
- किचन का लेआउट इस प्रकार हो कि वह सुरक्षित भी हो। सामने की तरफ एक खिड़की भी हो ताकि वेंटीलेशन हो सके।
- सीढ़ियों का प्रयोग न करें। अगर आप रैंच होम में रह रहे हैं तो सीढ़ियों को पाट दें या बराबर कर दें ताकि दिनभर ऊपर नीचे न करना पड़े।
- किचेन खुला और जगह वाला चाहिए ताकि आपको चलना-फिरना आसान हो।
- डाइनिंग एरिया के निकट ही किचेन होना चाहिए। ताकि पुरानी हैवी कटलरी/डिशेज उठाकर डाइनिंग टेबल तक ले जाना आसान हो। आप चाहें तो सामान ले जाने के लिए ट्रॉली का इस्तेमाल भी कर सकते हैं लेकिन इसके किचेन की फ्लोरिंग फ्लैट होनी चाहिए।
- सबसे महत्वपूर्ण है नेचुरल लाइट। इस उम्र में नजर कमजोर होने के कारण चीजों को देखना भी मुश्किल हो जाता है इसलिए तेज लाइट की व्यवस्था होनी जरूरी है।
- किचेन का रंग हलका चुनें ताकि वह खुला-खुला व साफ नजर आए।

5 जरूरी चीज़ें

- वाइब्रेटिंग लिक्विड लेवल इंटीकेटर
- माइक्रोवेव
- फूड एटीमर
- पोर होल्डर
- नॉन-स्लिप प्लेसमैंट

बड़े परिवार के लिए

ऐसे परिवार में आमतौर पर किचन के काम के लिए घरेलू सहायक होते हैं। इसलिए यहां बड़े और खुली जगह वाले किचन की जरूरत होती है। किचन का रोजमर्रा और 80 प्रतिशत काम घरेलू सहायक करते हैं इसलिए होममेकर के लिए उसी किचन में अपनी पसंद का कुछ बनाने के लिए सैपरेट काउंटर और बर्नर की जरूरत होती है।

- ऐसे परिवार के लिए लेजर किचन परफेक्ट होता है। यहां सामान डबल होता है। किचन अप्लायंस और उपकरणों का डबल सेट होता है। इसमें बार भी होता है।
- दो फ्रिज रखने के लिए कैबिनेट होना चाहिए।
- बर्तन धोने की जगह अलग होनी चाहिए और छोटी-मोटी जरूरत के लिए छोटा सिंक किनारे बनवाना चाहिए।
- छह बर्नर वाला एक चूल्हा और दो बर्नर वाला एक चूल्हा रखना चाहिए।
- फ्लैप ग्रेनाइट का रखें और काउंटर आर सी सी बेस होनी चाहिए ताकि अगर कभी कोई सामग्री कूटनी हो तो प्लैटफार्म में दरार न पड़े।
- टाइल्स फ्लोर रखें ताकि किचन बड़ा और साफ सुथरा दिखे। स्टोरेज की जगह जरूरी है।
- रंग ओक या बेज रखें ताकि खुला-खुला नजर आए।
- जगह बड़ी हो तो किचन के मध्य में डाइनिंग टेबल भी रख सकते हैं ताकि खाना बनाने के साथ परिवार के लोग होममेकर के साथ एंजॉय भी कर सकें। लाइव कुकिंग का मज़ा ही अलग होता है।

5 जरूरी चीज़ें

- स्लो कुकर/क्रॉकपॉट
- मीट टेंडराइज़र
- फूड प्रोसेसर
- स्टॉकपॉट

..ताकि तंग न करें सीढ़ियां

अगर आप भी अपना घर बनवाने जा रहे हैं तो उसमें सीढ़ियों का विशेष ध्यान रखें। सीढ़ियों की ऊंचाई और चौड़ाई का सही अनुपात, घर के सदस्यों को आसानी से ऊपरी मंजिलों तक पहुंचाने और नीचे लाने में सहायक होगा..

जमीन खरीदकर मनमाफिक आशियाना बनवाने की चाह रखने वालों की कमी आज भी कुछ कम नहीं। क्या आपकी भी कुछ ऐसी ही ख्वाहिश है? अगर जवाब हां में है तो प्लॉट पर घर की कंस्ट्रक्शन कराते समय कुछ चीजों का खास ध्यान रखना जरूरी है। कंस्ट्रक्शन से पहले जाहिर है सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आप सॉयल टेस्टिंग तो कराएंगे ही साथ ही घर को भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा से सुरक्षित रखने भूकंप-रोधी संरचना तैयार कराने पर भी विचार करेंगे। इन सब के साथ यह जरूर ध्यान रखें कि जब आप घर का नक्शा या फिर डिजाइन किसी आर्किटेक्ट से डिजाइन कराएं तो उसे सीढ़ियों की ऊंचाई और चौड़ाई पर विशेष ध्यान देने को कहें। वैसे अक्सर ऐसा भी होता है कि ज्यादातर लोग आर्किटेक्ट की मदद के बगैर ही कांट्रेक्टर के बताए नक्शे के मुताबिक प्लॉट पर कंस्ट्रक्शन कराना आरंभ कर देते हैं। इसका असर तब दिखता है जब वे घर में रहना शुरू करते हैं। ऐसी ही कुछ परेशानियों में सीढ़ियां भी एक हैं। अक्सर प्लॉट के आकार के छोटा होने पर तंग सीढ़ियां बना दी जाती हैं और फिर उस घर में रहने वाले जब भी सीढ़ियों पर चढ़ते उतरते हैं तो हमेशा तंग ही होते रहते हैं। ऐसे में कुछ चीजों का विशेष ध्यान रखना बेहद जरूरी है। आइये जानते हैं-

- सीढ़ियां बनाते समय हेड रूम का ध्यान रखना जरूरी है, जिससे कि लंबे व्यक्तियों का सिर छत से न टकराए। अक्सर ऐसा होता है कि जल्दीबाजी में सीढ़ियों से उतरते हुए सिर अथवा माथा छत या छज्जे से टकरा जाता है और चोट लग जाती है।
- सीढ़ियों को कम से कम 840 एमएम और ज्यादा से ज्यादा एक मीटर तक अपनी जरूरत के अनुसार रखना चाहिए।
- अच्छी सीढ़ी वही है जिसमें चढ़ते और उतरते वक्त आपको बहुत ज्यादा मेहनत न करनी पड़े। आम तौर पर किसी भी वयस्क का एक पग यानी स्टेप 600 एमएम यानी 2 फुट का होता है। इसको ध्यान में रखते हुए ही सीढ़ियों का निर्माण कराएं।
- यह ध्यान रखें कि सीढ़ियों पर ऊपर चढ़ते हुए दुगनी ऊर्जा लगानी पड़ती है, ऐसे में अगर सीढ़ियां ऊंची-नीची होंगी, उनमें सामंजस्य नहीं होगा तो दुर्घटना की संभावना बनी रहेगी।
- घर में इस्तेमाल की जाने वाली सीढ़ियों में 250 एमएम का ट्रेड और 165 एमएम से 175 एमएम तक का राइजर इस्तेमाल में लाया जा सकता है। आप इसे ज्यादा से ज्यादा 220 तक का रख सकते हैं। अगर राइजर ज्यादा ऊंचा होगा तो पैर भी ज्यादा ऊंचाई तक उठाने होंगे, जिससे चंद सीढ़ियां चढ़ने के बाद ही थकान महसूस होने लगेगी।
- सीढ़ियां इस तरह डिजाइन कराई जानी चाहिए कि उस तक आसानी से पहुंचा जा सके।
- अगर कमरों के दरवाजे सीढ़ियों के साथ खुल रहे हों तो ऐसे में कम से कम 310 मिलीमीटर तक की न्यूनतम दूरी जरूरी बनाकर रखनी चाहिए। इसका फायदा यह होगा कि कमरे से सीढ़ियों तक आसानी से स्टेप-अप किया जा सकेगा।
- सीढ़ियों को कभी बहुत तंग नहीं रखना चाहिए। ऐसा होने से खासकर ऊपरी मंजिलों पर फर्नीचर चढ़ाने और उतारने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।
- सीढ़ियों की डेकोरेशन के लिए तमाम तरह के विकल्प मौजूद हैं। इन्हें सजाने में सबसे ज्यादा भूमिका रेलिंग की होती है। रेलिंग के लिहाज से आयरन या फिर स्टील फिनिश वाली रेलिंग का इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

हम सब मिलजुलकर देश को स्वच्छ बनायेंगेः केन्द्रीय मंत्री सिंधिया

केन्द्रीय मंत्री बीएसएनएल कार्यालय में स्वच्छता ही सेवा अभियान में शामिल हुए, सिंधिया ने पौधे रोपे और स्वच्छता की दिलाई शपथ

ग्वालियर। माँ भारती के प्रति सेवा भाव के साथ सभी लोग स्वच्छता ही सेवा अभियान में सहभागी बनें। हम सब मिलजुलकर अपने देश को स्वच्छ बनायेंगे तो विश्व पटल पर देश की छवि और अच्छी होगी। यह बात केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को अचलेश्वर के समीप स्थित भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) कार्यालय परिसर में स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत आयोजित हुए कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर व पूर्व विधायक मुन्नालाल गोयल भी मौजूद थे।

कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने भारत संचार निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। साथ ही एक पेड़ माँ

के नाम अभियान के तहत कार्यालय परिसर में आम, जामुन व अमरूद के पौधे भी रोपें। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी ने स्वच्छता की जो अलख जलाई थी, उसे प्रधानमंत्री ने संकल्पित होकर आगे ब?ाया है। प्रधानमंत्री की पहल पर देशभर में स्वच्छता क्रांति फैल चुकी है। उन्होंने कहा हम सब भी अपने घर, गली-मौहल्ले व कार्यालय को साफ-सुथरा रखकर सहयोगी बनें। श्री सिंधिया ने कहा कि स्वच्छता हमारी सोच, विचार व चरित्र में भी शामिल होना चाहिए। इसी भाव के साथ स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता की थीम पर प्रधानमंत्री के जन्मदिवस 17 सितम्बर से महात्मा गाँधी की जयंती 2 अक्टूबर तक स्वच्छता ही सेवा पखवा?ा मनाया जा रहा है।

लोक सूचना अधिकारियों को सिखाई जा रही हैं सूचना के अधिकार की बारीकियाँ

ग्वालियर । दो दर्जन से अधिक विभागों के जिला स्तरीय लोक सूचना और अपीलीय अधिकारियों के लिये ÷सूचना का अधिकार अधिनियम 2005÷ विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण गुरुवार को जिला पंचायत सभागार में शुरू हुआ। इस प्रशिक्षण में सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों और इसके सफल क्रियान्वयन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस प्रशिक्षण में 25 विभागों के जिला स्तरीय कार्यालयों के लोक सूचना अधिकारी व अपीलीय अधिकारी भाग ले रहे हैं। जिनमें मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, स्कूल शिक्षा, श्रम, मत्स्य, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, उद्यानिकी व कृषि इत्यादि विभागों के कार्यालय शामिल हैं।

अतिवर्षा से प्रभावित लोगों की मदद के लिए सरकार कृत संकल्पितः मंत्री कुशवाह

मंत्री ने कलेक्टर एवं निगम आयुक्त के साथ अतिवर्षा से प्रभावित बस्तियों का लिया जायजा

ग्वालियर । जिले में अतिवर्षा व जल भराव से प्रभावित लोगों की मदद के लिये प्रदेश सरकार कृत संकल्पित है। सरकार द्वारा प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द राजस्व पुस्तक परिपत्र के प्रावधानों एवं अन्य योजनाओं के तहत हर संभव मदद मुहैया करायेगी। यह बात उद्यानिकी व खाद्य प्रसंस्करण एवं सामाजिक न्याय व दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने अतिवृष्टि से प्रभावित लश्कर व गोल पहाड़िया क्षेत्र की बस्तियों का जायजा लेने के दौरान स्थानीय निवासियों को आश्वस्त करते हुए कही। मंत्री श्री कुशवाह ने गुरुवार को कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं निगम आयुक्त अमन वैष्णव के साथ शहर के वार्ड-38 के अंतर्गत गोल पहाड़िया तिघरा रोड़ सहित अतिवर्षा से प्रभावित अन्य बस्तियों का भ्रमण कर नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रभावित परिवारों को जल्द से जल्द सहायता उपलब्ध कराई जाए। साथ ही अतिवर्षा व जल भराव से खराब हुईं स?कों व सीवर लाइन इत्यादि की मरम्मत भी तेजी से कराई जाए। कलेक्टर एवं निगम आयुक्त ने शहर में जल भराव से प्रभावित क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। साथ ही कहा कि अतिवर्षा से हुए नुकसान का सर्वे तेजी के साथ किया जा रहा है। जल्द ही प्रभावित लोगों को राजस्व पुस्तक परिपत्र के प्रावधानों के तहत राहत वितरित की जायेगी।

कांग्रेस की किसान न्याय यात्रा 20 को

ग्वालियर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के आव्हान पर शुक्रवार को पूरे प्रदेश के साथ ही हर जिले में कांग्रेस किसान न्याय यात्रा निकाली जायेगी। इस किसान न्याय यात्रा में किसान ट्रेक्टर ट्राली के साथ फूलबाग मैदान पर एकत्र होकर निकलेंगे। उक्त जानकारी गुरूवार को ग्वालियर पूर्व के विधायक डा सतीश सिंह सिकरवार, कार्यकारी जिलाध्यक्ष महाराज सिंह पटेल , ग्रामीण अध्यक्ष प्रभुदयाल दौहरे ने देते हुये बताया कि केन्द्र की भाजपा सरकार ने किसानों से आमदनी दोगुनी करने का झूठ बोला है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री एवं केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चैहान ने भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के झूठ में साथ दिया है। नेता द्वय ने बताया कि किसानों को सोयाबीन की फसल के लागत से भी कम दाम मिल रहे है। वहीं किसानों को समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी की भी आवाज कांग्रेस द्वारा उठाई जायेगी। विधायक सतीश सिंह सिकरवार ने बताया कि किसान न्याय यात्रा फूलबाग मैदान से 11 बजे शुरू होकर नदी गेट , इंदरगंज, चैराहा , दौलतगंज होते हुये महाराज बाडा पहुंचेगी वहीं वहां से वापस सराफा राम मंदिर होती हुई एमएलबी रोड होते हुये फूलबाग मैदान पर संपन्न होगी। उन्होंने बताया कि इसमें किसान अपने ट्रेक्टर ट्राली पर सवार होकर निकलेंगे। पत्रकार वार्ता में प्रदेश प्रवक्ता आरपी सिंह, राम पांडे, जेएफ जाफरी आदि मौजूद थे।

डीआरडीई में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 20 से

ग्वालियर। रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डी.आर.डी.ई.) में 'रसायन-जैव रक्षा क्षेत्र में प्रौद्योगिकी विकास की प्रगति में शैक्षणिक जगत और औद्योगिक क्षेत्र को सक्रिय और समन्वित करने हेतु राष्ट्रीय सम्मेलन का आज 20 एवं 21 सितंबर को डी.आर.डी.ई. के तानसेन मार्ग स्थित परिसर में किया जा रहा है। सम्मेलन में महानिदेशक (जैवविज्ञान) डी.आर.डी.ओ. मुख्यालय दिल्ली डॉ. यू.के सिंह, कोवैक्सीन के जनक भारत बायोटैक के डॉ. कृष्णा एल्ला उपस्थित रहेंगे।

डी.आर.डी.ई. के निदेशक डॉ. मनमोहन परीडा ने बताया कि इस सम्मेलन का मूल उद्देश्य रसायन-जैव रक्षा क्षेत्र की प्रगति में योगदान करने वाले समस्त भागीदारों (वैज्ञानिक, शिक्षा जगत, उद्योग) को एक स्थान पर एकत्र कर परस्पर विचार-विमर्श एवं भविष्य की कार्ययोजना का निर्माण है। इस आयोजन में देश के अग्रणी वैज्ञानिक संस्थानों जैसे आई. आई.टी. दिल्ली, राष्ट्रीय विज्ञान संस्थान, बंगलूरु, सी.एस.आई.आर., टी.आई.एफ.आर., राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान आदि शिक्षा जगत के महत्त्वपूर्ण संस्थानों के वैज्ञानिक, एवं भारत बायोटेक, भारत इलैक्ट्रॉनिक्स, ट्राइडेंट, एल. एण्ड टी., अरविंद मिल्स लि., जैसे निजी उद्यमों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। आयोजन सचिव एवं डी.आर.डी.ई. के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ए. के. गोयल ने बताया कि सी.बी.आर.एन. खतरे सार्वजनिक स्वास्थ्य, राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए चिंता का विषय हैं। सीबीआरएन रक्षा से संबंधित आपातकालीन तैयारियों को ब?ाने, संभावित खतरों के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को प्रबंधित करने के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह सम्मेलन सभी हितधारकों को आतंकवाद और युद्ध के मौजूदा परिदृश्य में रसायन जैव रक्षा के विभिन्न पहलुओं और संभावनाओं पर विचार-विमर्श और चर्चा करने और भविष्य में किसी भी अप्रिय रसायन जैव आपातकाल के लिए भारत को आत्मनिर्भर और बेहतर रूप से तैयार करने की दृष्टि से उचित सिफारिशें, कार्ययोजना प्रदान करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करेगा। इस दो-दिवसीय पाठ्यक्रम में प्रतिभागियों को ऐसे ही अनुसंधान कार्यों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक रूप से देखना का अवसर मिलेगा।

भारतीय हॉकी टीम के सहायक कोच शिवेंद्र चौधरी पहुंचे ग्वालियर, कहा- टीम का वर्ल्ड कप जीतना लक्ष्य

ग्वालियर। द्रोणाचार्य अवार्ड और भारतीय हॉकी टीम के सहायक कोच शिवेंद्र चौधरी आज अपने गृह नगर ग्वालियर पहुंचे। जहां ग्वालियर एयरपोर्ट पर शिवेंद्र का जोरदार स्वागत हुआ। हाल ही में ओलंपिक में कांस्य पदक और एशिया कप हॉकी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के खास प्रदर्शन में शिवेंद्र का महत्वपूर्ण रोल रहा है। अपने गृह नगर ग्वालियर पहुंचने पर शिवेंद्र ने खुशी जाहिर की और मध्य प्रदेश के साथ देश में टीम हॉकी इंडिया के बढ़ते कदम को लेकर कहा कि, भारतीय हॉकी टीम एशिया में नंबर वन है। वहीं विश्व रैंकिंग में हम नंबर चार पर हैं। यह बहुत अच्छी बात है कि जो हमारा पुराना दौर है वह अब वापस आ रहा है। हम हॉकी की मजबूत टीमों को लगातार हराने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि, इस समय टीम का वर्ल्ड कप जितना

ही एकमात्र लक्ष्य है। एशियाई चैंपियनशिप ट्रॉफी की भी तारीफ की जिसके तहत अब मध्य प्रदेश के दौरान हमने पांच नए प्लेयर को ट्राई भी किया था। ऐसे में नए प्लेयर कैसे टीम में जगह बना सकते हैं और टीम को कैसे मजबूत किया जाए इस पर हम लगातार काम कर रहे हैं। आने वाले महीने में जर्मनी के साथ दिल्ली में मैच सहित अन्य मैच होने वाले हैं। इसके जरिए हम वर्ल्ड कप से पहले एक मजबूत टीम तैयार करेंगे।

शिवेंद्र ने मध्य प्रदेश सरकार के उस फैसले के ओलंपिक और एशियन चैंपियनशिप विजेता खिलाि?यों को राजपत्रित अधिकारी बनाया जाएगा। शिवेंद्र ने कहा है कि अन्य राज्यों में ओलंपिक और एशियाई चैंपियनशिप विजेता खिलाड़ियों को सरकार डीएसपी सहित अन्य प्रमुख पद पहले ही देती रही है, लेकिन अब मध्य प्रदेश सरकार ने यह अच्छी पहल की है। उनके समय पर यह सब स्कीम में व्यवस्था नहीं थी। लेकिन अब नए खिलाड़ियों को इसका जरूर फायदा होगा। गौरतलब है कि शिवेंद्र चौधरी कई सालों तक भारतीय हॉकी टीम के मजबूत प्लेयर के रूप में खेलते रहे। शहर के तानसेन नगर में उनका घर है और यही से उन्होंने अपने हॉकी खिलाड़ी के रूप में करियर की शुरुआत की थी। जो आज टीम हॉकी इंडिया के सहायक कोच तक पहुंची है।

आईसेक्ट की कौशल विकास यात्रा को संयुक्त संचालक शिक्षा ने दिखाई झंडी

ग्वालियर। आईसेक्ट रीजनल आफिस विजयानगर चेतकपुरी से कौशल विकास यात्रा को संयुक्त संचालक शिक्षा दीपक पाण्डेय ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके पूर्व श्री पांडेय द्वारा छात्रों के मध्य हुई निबंध प्रतियोगिता में मेरिट स्थान प्राप्त छात्रों, छात्राओं को प्रणाम पत्र प्रदान कर कौशल से जीवन एवं आर्थिक समृद्धि, सामाजिक प्रतिष्ठा आदि विषयों पर भी चर्चा की। रैली से पहले रीजनल मैनेजर अनूप चौबे ने अपने विचार भी व्यक्त किये।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के बैनर लगाकर आमजन को जागरूक करें: अमन वैष्णव

निगमायुक्त ने एयरपोर्ट से कृषि विश्वविद्यालय तक रोड़ का किया निरीक्षण

ग्वालियर। निगम आयुक्त अमन वैष्णव गुरूवार को निरीक्षण पर निकले। निगमायुक्त ने एयरपोर्ट रोड से लेकर सूर्य मंदिर चैराहा एवं कृषि विश्वविद्यालय तक सडक को देखा। स?क पर गंदगी मिलने पर निगमायुक्त ने अधिकारियों को फटकार लगाई। निगमायुक्त श्री वैष्णव ने निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि एयरपोर्ट रोड पर स्वच्छता ही सेवा अभियान के बैनर लगाकर आमजन को जागरूक करें। इसके साथ ही मेरा ग्वालियर सेल्फी प्वाइंट को ठीक करने के निर्देश दिए। साथ ही निरीक्षण के दौरान एयरपोर्ट रोड से कृषि विश्वविद्यालय तक मुख्य मार्ग पर साफ सफाई के साथ ही सीएंडडी वेस्ट एवं आवारा पशुओं को हटाने के साथ ही डिवाइडरों को साफ करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही मुख्य मार्गों एवं डिवाइडरों पर रखे सामान तथा स?क किनारे

हो रहे अतिक्रमण को हटाने को भी निगमायुक्त ने कहा। इसके बाद निगमायुक्त श्री वैष्णव वार्ड 18 में पहुंचे और निरीक्षण कर वार्ड में सीवर समस्या को ठीक करने को कहा। निरीक्षण में निगमायुक्त को जलभराव की स्थिति का सामना भी करना प?ा, जिस पर उन्होने वहां जल निकासी की व्यवस्था करने के निर्देश संबंधितों को दिये। निगमायुक्त ने निरीक्षण के दौरान दीनदयाल नगर में सिंधिया स्टेचू के पास अवैध रूप से संचालित हो रहे सब्जी एवं फल वाले ठेलों को हटाने के साथ ही जुर्माना वसूलने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही गंदगी मिलने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित डब्ल्यूएचओ को नोटिस जारी किया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त विजयराज, अधीक्षण यंत्री जेपी पारा, उपायुक्त अमरसत्य गुप्ता, डॉ. अतिबल सिंह यादव उपस्थित थे।

जेसी मिल के भूतपूर्व श्रमिकों की देनदारियों के दावे परिसमापन अधिकारी ने मांगेः यादव

ग्वालियर। मजदूर कांग्रेस (इंटक) के अध्यक्ष रतीराम यादव का कहना है कि जेसी मिल के भूतपूर्व श्रमिकों जिनकी देनदारियों के दावे माननीय न्यायालय में जमा है जो देनदारी के रजिस्टर में अंकित नही है, उनके दावे परिसमापन अधिकारी द्वारा आमंत्रित किये गये है। श्री यादव ने बताया कि जिन श्रमिकों के श्रम न्यायालय अथवा अन्य किसी न्यायालय में केस चल रहे थे और उनका निर्णय हो चुका है, वह श्रमिक भी शामिल रहेंगे। श्री यादव ने कहा है कि इंटक कार्यालय श्रम शिविर मे भी मजदूर कांग्रेस ने इस कार्यवाही में स्वतः सहयोग करने हेतु श्रमिक साथियों के दावे प्राप्त कर परिसमापन अधिकारी के कार्यालय में प्रस्तुत करने का निर्णय लिया है जिससे श्रमिक साथियों को असुविधा न हो।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478